भाद्रपद शुक्ल - 15 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 56 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 18-09-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'बुलडोजर न्याय' पर न्यायालय का निर्देश 'नफरती मुख्यमंत्रियों' के मुंह पर करारा तमाचा : कांग्रेस

6 श्रद्धा से किया जाने वाला पितृसंबंधी दानकर्म है श्राद्ध

7 भारत की वित्तीय संभावनाओं से दुनिया पूरी तरह अवगत नहीं : स्मृति ईरानी

फर्स्ट टेक

शिमला में एक और 'अनधिकृत' मस्जिद को ढहाने की मांग

शिमला/भाषा। शिमला शहर के कसुम्पटी में रहने वाले लोगों ने मंगलवार को अपने क्षेत्र में एक मस्जिद को ढहाने की मांग की। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि मस्जिद अनधिकृत है और यहां अज्ञात व्यक्तियों और प्रवासियों की आमद में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की। पार्षद रंचना शर्मा की अगुवाई में स्थानीय लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिमला के उपायुक्त अमित कश्यप, पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजीव कुमार गांधी और शिमला के नगर आयुक्त भूपेंद्र अत्री से मुलाकात की और अपनी मांगों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा।

पाकिस्तान के सिंध में दो हिंदू लड़कियों का अपहरण

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हाल में दो हिंदू लड़कियों का उनके घरों से अपहरण कर लिया गया। हिंदू समुदाय के नेताओं ने यह जानकारी दी और हिंदू लड़कियों के अपहरण और जबरन धर्मांतरण की घटनाओं पर लगाम के लिए ठोस सुरक्षा उपाय करने की मांग की। सिंध के हैदराबाद शहर में रहने वाले हिंदू नेता शिवा काची ने कहा, हमें लगभग हर हफ्ते प्रांत के विभिन्न हिस्सों से ऐसी घटनाओं की जानकारी मिल रही है और किसी को कोई परवाह नहीं है। हिंदू समुदाय बहुत डरा हुआ है। काची 'पाकिस्तान दारेवर इत्तेहाद' नामक संगठन के प्रमुख हैं, जो उन अपहृत हिंदू लड़कियों की बरामदगी के लिए अभियान चला रहा है, जिन्हें कथित तौर पर इस्लाम कबूल करने और कई मामलों में खुद से कहीं अधिक उम्र के मुस्लिम पुरुषों से निकाह करने के लिए मजबूर किया गया।

लेनोवो भारत में बनाएगी एआई सर्वर, बेंगलूरु में खोलेगी शोध केंद्र

बेंगलूरु/भाषा। पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) एवं लैपटॉप विनिर्माता लेनोवो इंडिया ने मंगलवार को कहा कि वह अगले साल भारत में 50,000 जीपीयू-आधारित एआई सर्वर का उत्पादन शुरू करेगी। इसके अलावा लेनोवो ने बेंगलूरु में अपना चौथा सबसे बड़ा शोध एवं विकास केंद्र स्थापित करने की भी घोषणा की। लेनोवो इंडिया के प्रबंध निदेशक शैलेंद्र कात्याल ने कहा कि कंपनी स्थानीय स्तर पर एआई सर्वर बनाएगी और पुडुचेरी में अपनी विनिर्माण इकाई से उनका निर्यात भी करेगी। कात्याल ने कहा, ''लेनोवो सालाना 50,000 सर्वर बनाएगी। इसका उत्पादन अगले साल शुरू होगा। इसे न केवल भारत के लिए बल्कि भारत से निर्यात किए जाने के लिए भी हमारी पांडिचेरी इकाई में बनाया जाएगा।''

18-09-2024 सूर्यास्त 6:07 बजे | 19-09-2024 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
83,079.66 (+90.88)	25,418.55 (+34.80)

सोना	चांदी
7,719 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	97,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सूरते हाल

हर गाँव शहर में बने हुए,
अनगिन अवैध निर्माण कईं।
जिनकी है खबर सभी को ही,
शासन के पास प्रमाण कईं।
जब भी होती दुर्घटनाएं,
निर्दोष गँवाते प्राण कईं।
दोषी को मिलती नहीं सजा,
पा जाते न्यायिक त्राण कईं।।

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से केजरीवाल ने दिया इस्तीफा

आतिशी ने नई सरकार बनाने का दावा पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को उपराज्यपाल वी के सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके बाद आम आदमी पार्टी द्वारा उनकी उत्तराधिकारी नामित की गईं आतिशी ने नई सरकार बनाने का अपना दावा पेश किया।

केजरीवाल मंगलवार शाम को अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ उपराज्यपाल सचिवालय पहुंचे। उन्होंने रविवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए आतिशी ने कहा, ''हमने नई सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। मैं दिल्ली के लोगों के हितों की रक्षा करूंगी।''

दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने कहा, ''हमने उपराज्यपाल को केजरीवाल के फैसले से अवगत करा दिया है। आतिशी ने सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। हमने उपराज्यपाल से अनुरोध किया है कि शपथ-ग्रहण समारोह की तारीख तय करें, ताकि दो करोड़ लोगों के लिए काम किया जा सके।''

मुख्यमंत्री नामित की गईं आतिशी ने दावा किया कि केजरीवाल पर झूठे आरोप लगाए गए हैं और केंद्र सरकार की जांच एजेंसियां उन्हें निशाना बना रही हैं। उन्होंने कहा, ''उच्चतम न्यायालय ने न केवल उन्हें जमानत दे दी, बल्कि केंद्र और उसकी जांच एजेंसियों के खिलाफ कठोर टिप्पणी भी की और उन्हें 'पिंजरे में बंद तोता' बताया।'' आतिशी ने कहा, ''कोई और नेता होता, तो वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बना रहता, लेकिन केजरीवाल ने जनता की अदालत में जाने का फैसला किया और इस्तीफा दे दिया। यह हमारे लिए दुख की बात है।''

मेरे गणेश पूजन में भाग लेने पर कांग्रेस और उसका 'इकोसिस्टम' भड़का हुआ है : मोदी

प्रधानमंत्री ने ओडिशा में 2,871 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पिछले दिनों गणेश पूजन में भाग लिया था इसलिए कांग्रेस और उसके 'इकोसिस्टम' के लोग उन पर भड़के हुए हैं तथा अंग्रेजों की तरह आज भी समाज को बांटने और तोड़ने में लगे 'सत्ता के भूखे लोगों' को गणेश पूजा से परेशानी हो रही है।

भुवनेश्वर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने यह टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के आवास पर उनके गणेश पूजा अनुष्ठान में भाग लेने के लिए विपक्षी दलों द्वारा आलोचना किए जाने के संदर्भ में की। इस विवाद पर पहली बार प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की।

देश के कई हिस्सों में आज हो रहे गणेश विसर्जन का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि आज के इस अहम दिन देश को उन चुनौतियों पर भी ध्यान देना है, जो देश को पीछे धकेलना में जुटी हैं। उन्होंने कहा, ''आज, जब हम गणपति बप्पा को विदाई दे रहे हैं तो मैं एक विषय इसी से जुड़ा उठा रहा हूं। गणेश उत्सव हमारे देश के लिए केवल एक आस्था का पर्व ही नहीं है, बल्कि गणेश उत्सव ने हमारे देश की आजादी में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी।'' उन्होंने कहा कि जब सत्ता की भूख में अंग्रेज देश को बांटने में लगे थे तब देश को जातियों के नाम पर लड़वाना, समाज में जहर घोलना, बांटो और राज करो उनका हथियार बन गया था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि तब लोकमान्य तिलक ने गणेश उत्सव के सार्वजनिक आयोजनों के जरिए भारत की आत्मा को जगाया था। उन्होंने कहा कि ऊंच-नीच, भेदभाव, जाति-पाति इन सबसे ऊपर उठकर हमारा धर्म हमें जोड़ना सिखाता है और गणेश उत्सव, इसका प्रतीक बन गया था। उन्होंने कहा, ''आज भी जब गणेश उत्सव होता है, हर कोई उसमें शामिल होता है। कोई भेद नहीं, कोई फर्क नहीं, पूरा समाज एक शक्ति बनकर खड़ा होता है। बांटो और राज करो की नीति पर चलने वाले अंग्रेजों की नजरों में उस समय भी गणेश उत्सव खटकता था। आज भी समाज को बांटने और तोड़ने में लगे सत्ता के भूखे लोगों को गणेश पूजा से परेशानी हो रही है।'' उन्होंने कहा, ''आपने देखा होगा, कांग्रेस और उसके इकोसिस्टम के लोग इसलिए भड़के हुए हैं पिछले कुछ दिनों से, क्योंकि मैंने गणेश पूजन में भाग लिया था।''

उच्चतम न्यायालय ने लगाई बुलडोजर न्याय पर रोक

अवैध विध्वंस को संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने समूचे देश में प्राधिकारियों को उसकी इजाजत के बिना आपराधिक मामलों में आरोपियों की संपत्ति समेत अन्य संपत्तियों को एक अक्टूबर तक ध्वस्त नहीं करने का निर्देश देते हुए मंगलवार को कहा कि अगर अवैध रूप से ध्वस्तीकरण का एक भी मामला है तो यह हमारे संविधान के मूल्यों के विरुद्ध है।

न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने स्पष्ट किया कि उसका आदेश सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों आदि पर बने अनधिकृत ढांचों पर लागू नहीं होगा। पीठ ने कहा, यदि अवैध ध्वस्तीकरण का एक भी उदाहरण है...तो यह हमारे संविधान के मूल्यों के विरुद्ध है।

पीठ ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई की तारीख एक अक्टूबर तक, इस अदालत की अनुमति लिए बिना कोई भी तोड़फोड़ नहीं की जाएगी।

शीर्ष अदालत उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें आरोप लगाया गया था कि कई राज्यों में आपराधिक मामलों में आरोपियों की संपत्तियों को ध्वस्त किया जा रहा है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि संपत्तियों के ध्वस्त करने का विमर्श गढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत के समक्ष एक याचिका दायर की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि चूंकि वह व्यक्ति एक विशेष धर्म से संबंधित था, इसलिए उसकी संपत्ति को ध्वस्त कर दिया गया। विधि अधिकारी ने कहा, उन्हें आपके ध्यान में ध्वस्तीकरण का एक ऐसा मामला लाना चाहिए जहां कानून का पालन नहीं किया गया हो। मेहता ने कहा कि प्रभावित पक्षों ने अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया है, क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें नोटिस मिल चुके हैं और उनका निर्माण अवैध है।

भारत जमीन मात्र नहीं, भारत में सनातन है : मोहन भागवत

जयपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि भारत जमीन मात्र नहीं बल्कि भारत में सनातन है। भागवत अपने अलवर दौरे के आखिरी दिन बावड़ी स्थित बालनाथ आश्रम में जारी श्री महामृत्युंजय महायज्ञ में शामिल हुए तथा देश में सुख शांति, सुरक्षा एवं प्रगति के लिए पूजन किया। संघ द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस अवसर पर सरसंघचालक ने वर्तमान परिस्थितियों में देश पर आने वाले संकटों का जिक्र करते हुए कहा कि संकटों की यह ताकत नहीं है कि वह भारत को मिटा सके, भारत जमीन मात्र नहीं भारत में सनातन है, भारत के साथ सनातन धर्म है, सनातन धर्म के साथ भारत है। उन्होंने कहा, समाज के गरीबों और पिछड़ों की उनकी उन्नति के लिए हमें अपने प्रयास करने चाहिए। अपने पास जो है वो देकर उनको ऊपर उठाना चाहिए।

मोदी की अगुवाई में विश्व की बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा भारत : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में देश की नीतियों की दिशा, गति और उनके क्रियान्वयन के सातत्य से भारत एक सुरक्षित राष्ट्र बन गया है तथा विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं राजनीतिक शक्ति के रूप में मजबूती से उभर रहा है।

शाह और रेल, सूचना प्रसारण एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। श्री शाह ने कहा , आज प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन है। पूरे देश में कई संस्थाओं ने उनके जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के नाम से मनाने के निर्णय लिया है। 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक 15 दिन देश भर के सभी जरुरतमंदों की सेवा में हमारे जैसे काफी कार्यकर्ता लगेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी एक छोटे से गांव के गरीब परिवार में जन्म लेकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री बने। दस साल में दुनिया के 15 अलग अलग राष्ट्रों ने श्री मोदी को अपने देश के सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित किया है। इससे न केवल प्रधानमंत्री जी बल्कि देश का भी गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि 60 साल के बाद पहली बार देश में राजनीतिक स्थिरता का माहौल आया है और नीतियों के सातत्य को भी हमने अनुभव किया है। नीतियों की दिशा, नीतियों की गति और नीतियों का क्रियान्वयन सटीकता से 10 साल तक बरकरार रखकर 11वें साल में प्रवेश करना बहुत कठिन है।

वक्फ विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का संरक्षण, संसद में होगा पारित

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन और संरक्षण सुनिश्चित करना है और इसे आने वाले दिनों में संसद में पारित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में शाह ने कहा कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को भी रोकेगा। वक्फ (संशोधन) विधेयक पिछले महीने लोकसभा में पेश किया गया था और इसकी विस्तृत समीक्षा के लिए इसे संसद की संयुक्त समिति को भेज दिया गया था। विपक्षी दलों ने विधेयक के मसौदे के कुछ प्रावधानों पर कड़ी आपत्ति जताई है।

पूरे लेबनान में पेजर विस्फोट, हिजबुल्ला के सदस्यों सहित कम से कम आठ की मौत

अधिकारियों ने इस हमले के लिए इजरायल की ओर इशारा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ 2,750 घायल हुए हैं तथा घायलों में से 200 की हालत गंभीर है।

बेरूत/एपी। लेबनान के विभिन्न हिस्सों में पेजर में विस्फोट होने की घटनाओं में हिजबुल्ला समूह के सदस्यों एवं एक लड़की सहित कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई जबकि एक ईरानी राजदूत घायल हो गए। सरकारी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने इस हमले के लिए इजरायल की ओर इशारा किया, जो कि एक परिष्कृत, दूरस्थ हमला प्रतीत होता है। इसमें 2,700 से अधिक लोग घायल हो गए। यह घटना ऐसे समय हुई है जब लेबनान सीमा पर तनाव बढ़ा हुआ है। इजराइली सेना ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

हिजबुल्ला के एक अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि समूह द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 'हैंडहेल्ड पेजर' के नये ब्रांड पहले गर्म हुए, फिर उनमें विस्फोट हो गया। अधिकारी ने बताया कि इसमें उसके कम से कम दो सदस्यों की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री फिरास अबियाद ने कहा कि कम से कम आठ लोग मारे गए और 2,750 घायल हुए हैं तथा घायलों में से 200 की हालत गंभीर है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने कहा कि देश के राजदूत मोजतबा अमानी पेजर में विस्फोट होने से मामूली रूप से घायल हो गए और उनका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में बेरूत के दक्षिणी उपनगरों से प्रसारित तस्वीरों और वीडियो में लोगों को फुटपाथ पर लेटे हुए दिखाया गया है जिनके हाथों पर या पैंट की जेबों के पास घाव थे।

हिजबुल्ला नेता हसन नसरल्लाह ने पहले समूह के सदस्यों को सेलफोन न रखने की चेतावनी देते हुए कहा था कि उनका इस्तेमाल इजराइल द्वारा उनकी गतिविधियों पर नजर रखने और लक्षित हमले करने के लिए किया जा सकता है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी अस्पतालों को आपातकालीन रोगियों को भर्ती करने के लिए सतर्क रहने और पेजर रखने वालों से खुद को पेजर से दूर रखने को कहा है। मंत्रालय ने स्वास्थ्य कर्मियों से वायरलेस उपकरणों का उपयोग करने से बचने को भी कहा है।

क्षेत्र के अस्पतालों में 'एपी' के फोटोग्राफरों ने कहा कि आपातकालीन कक्ष रोगियों से भरे हुए थे, उनमें से कई के अंगों में चोटें थीं, कुछ की हालत गंभीर थी।

पानी की हर बूंद कीमती है : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए मंगलवार को कहा कि पानी की प्रत्येक बूंद मोती के समान मूल्यवान है और इसका सोच-समझकर इस्तेमाल किया जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने आठवें भारत जल सप्ताह शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पौधारोपण के माध्यम से भूजल पुनःपूर्ति के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ''हमें पौधारोपण कर भूजल स्तर को बढ़ाना चाहिए। हर मां के नाम पर लगाया गया हर पेड़ उसकी विरासत के लिए सम्मान होगा।'' मुर्मू ने कहा, ''बूंद-बूंद से सागर बनता है, इसलिए पानी बचाना हर किसी की जिम्मेदारी है।''

राष्ट्रपति ने टिकाऊ भविष्य के लिए जल प्रबंधन में सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता पर भी बात की। उन्होंने जल जीवन मिशन के जरिए सरकार के किए प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि खासकर 2021 से महत्वपूर्ण बदलाव लाए गए हैं, जब स्थानीय स्तर पर पानी की कमी को दूर करने के लिए अभियान शुरू हुए। मुर्मू ने वैश्विक स्तर पर स्वच्छ जल की सीमित उपलब्धता का जिक्र किया। विश्व का केवल 2.5 प्रतिशत पानी ही स्वच्छ है तथा केवल एक प्रतिशत ही मानव उपयोग के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि यह कठोर वास्तविकता जागरूकता और संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

जियो उपयोगकर्ताओं ने की नेटवर्क संबंधी समस्याओं की शिकायत

मुंबई/भाषा। रिलायंस जियो के उपयोगकर्ताओं ने मंगलवार सुबह संपर्क संबंधी समस्याओं की शिकायत की। दूरसंचार सेवाओं में बाधा की निगरानी करने वाली वेबसाइट 'डाउनडिटेक्टर' के मुताबिक जियो उपयोगकर्ताओं ने सिग्नल न आने से लेकर इंटरनेट संपर्क में बाधा तक की समस्याओं को दर्ज किया। रिलायंस जियो के प्रवक्ता ने कहा कि मुंबई में जियो के ग्राहकों को आज सुबह 'मामूली तकनीकी समस्याओं' के कारण निर्बाध सेवाओं का लाभ उठाने में दिक्कतें आईं। उन्होंने कहा कि समस्याओं का समाधान कर लिया गया है। रिलायंस जियो के प्रवक्ता ने कहा, ''आज सुबह, मुंबई में कुछ जियो ग्राहकों को मामूली तकनीकी समस्याओं के कारण निर्बाध सेवाओं का लाभ उठाने में दिक्कतें आईं। इनका समाधान कर लिया गया है और जियो की निर्बाध सेवाएं पूरी तरह से बहाल हो गई हैं।'' प्रवक्ता ने कहा, ''हमें अपने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद है।'' कई ग्राहकों ने सोशल मीडिया मंचों पर मजाकिया मीम्स शेयर किए।

यात्रा वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित सात दिवसीय इंडोनेशिया बाली रामायण ट्रेल टूर यात्रा में शामिल 82 सदस्यों ने बैसाकीय, उलूंदानु, उलूवाडू, अंधारा गेट, तीर्थ गंगा, पांडव वीच, वाटर स्पोर्ट्स के साथ साथ पायरेट क्रूज एवम अन्य पुरातन कालीन दर्शनीय स्थलों का लाभ लिया। अध्यक्ष नवलकिशोर मालू, उपाध्यक्ष भगवानदास लाहोटी, सचिव अजय राठी, पूर्व अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया, अशोककुमार भूतड़ा और मनमोहन बाहेती ने व्यवस्था संभाली तथा सभी को धन्यवाद दिया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक सरकार शिक्षा विभाग द्वारा राजाजीनगर क्षेत्र के सरकारी प्राथमिक विद्यालय एवं सरकारी अनुदानित प्राथमिक विद्यालय के लिए बालमोहन विद्या केंद्र में प्रतिभा कारंजी सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बाल प्रतिभाओं का सम्मान करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत।

'तेरापंथ धर्मसंघ आचार्य भिक्षु के हिमालय संकल्प का परिणाम है '

मंड्या/दक्षिण भारत । शहर के तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में भिक्षु चरमोत्सव का आयोजन किया गया। मंगलाचरण में साध्वीवृद् ने गीत की प्रस्तुति दी। साध्वी मार्दवश्रीजी ने भिक्षु भक्तों को सम्बोधित करते हुए कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ आचार्य भिक्षु के हिमालयी संकल्प की फलस्तुति है। आचार्य भिक्षु की तपस्या रूपी खाद ने संघ की धरती को उपजाऊ बनाया और पुरुषार्थ रूपी पानी का सिंचन पाकर संघ रूपी फसल लहलहा उठी।

आज भिक्षु का वह संघ रूपी बीज पल्लवित होकर सबको छांव दे रहा है, फल दे रहा है। साध्वी रौनकप्रभाजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु भीतरी ज्योति तक पहुंच गए और वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। भिक्षु भीतरी आलोक से आलोकित हो गए वे हमारे लिए आलोकमय बन गए। रात्रिकालीन धम्म जागरण में श्रावक श्राविकाएं भक्तिरस से सरोबार होकर भिक्षुमय बन गए।

विकासशील देशों को जलवायु लक्ष्य पूरा करने के लिए 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की जरूरत: भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को कहा कि विकासशील देशों को 2030 तक अपने विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पांच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की जरूरत है, और पूर्व में विकसित देशों द्वारा वादा किया गया 100 अरब अमेरिकी डॉलर ''बहुत छोटी'' राशि है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित 19वें 'सततता शिखर सम्मेलन' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विकसित देशों, जो ज्यादातर ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के लिए ऐतिहासिक रूप से जिम्मेदार हैं, ने जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए विकासशील देशों को 100 अरब अमेरिकी डॉलर और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा, ''लेकिन वे दोनों मोर्चों पर नाकाम हो गए...अब, विकासशील देशों को पांच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की आवश्यकता है। 100 अरब अमेरिकी डॉलर बहुत छोटी रकम है।''

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि इथोपिया जैसे गरीब देश यदि विकसित देशों की उपभोग पद्धति को अपनाते हैं, तो वैश्विक मांगों को पूरा करने के लिए सात पृथ्वी के संसाधनों की आवश्यकता होगी।

मंत्री ने यह भी कहा कि भारत में उपभोग की पद्धति अफ्रीकी देशों के समान है, क्योंकि उनकी सतत जीवनशैली है। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों को अपने

नागरिकों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के वास्ते विकास कार्यों को लेकर ऊर्जा की आवश्यकता है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए मध्यम आय वाले और गरीब देशों को वित्तीय सहायता देना, बाकू में होने वाले आगामी संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन का मुख्य मुद्दा होगा। सम्मेलन में देशों को नये सामूहिक लक्ष्य को अंतिम रूप देना होगा।

'अग्निपथ' योजना को लेकर राजनीति कर रहे हैं राहुल गांधी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लोहारू (हरियाणा)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को 'अग्निपथ' सैन्य भर्ती योजना को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह (कांग्रेस नेता) इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

शाह ने यह आरोप भी लगाया कि राहुल गांधी और नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला का एजेंडा चुनाव (जम्मू कश्मीर में) के बाद सभी आतंकवादियों को रिहा कराने और पाकिस्तान के साथ वार्ता का है। शाह हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए पांच अक्टूबर को होने वाले मतदान से पहले लोहारू से भाजपा उम्मीदवार जे पी दलाल के समर्थन में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। शाह ने 'वन रैंक वन पेंशन' योजना लागू नहीं करने के लिए कांग्रेस को आड़े हाथ लिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस योजना को लागू किया था। उन्होंने हरियाणा में अपनी पहली चुनावी रैली में राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, ''अग्निवीर योजना लागू कर दी गई है। कांग्रेस, खासतौर पर राहुल 'बाबा' (राहुल गांधी) राजनीति कर रहे हैं।'' शाह ने कहा, ''मैं हरियाणा के युवाओं को कहना चाहता हूं कि 'हुड्डा एंड कंपनी' का काम झूठ फैलाना है और वे कह रहे हैं कि बाद में अग्निवीरों का क्या होगा... लेकिन मैं जो कहता हूं, करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''अगर कोई अग्निवीर लौटता है, तो वह बिना नौकरी के नहीं रहेगा और इसकी जिम्मेदारी भाजपा लेती है।''

वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत राष्ट्रीय राजधानी में वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण की मेजबानी करेगा। यह सम्मेलन 19 से 21 सितंबर को होगा। इसमें 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, प्रमुख नियमों पर विचार-विमर्श करेंगे। शिखर सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण कर रहा है। इस शिखर सम्मेलन का पहला संस्करण जुलाई 2023 में भारत में हुआ था। बयान के अनुसार प्रमुख नियामकीस मुद्दों पर चर्चा और रणनीति तैयार करने के लिए 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा और नियामक मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और ज्ञान-साझा करने को बढ़ावा देना है। इस शिखर सम्मेलन में 5,000 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है, जबकि 1.5 लाख से अधिक लोग डिजिटल रूप से शामिल होंगे।

बांग्लादेश में संकट का भारतीय उद्योगों पर कोई खास असर नहीं: क्रिसिल

नई दिल्ली/भाषा। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने मंगलवार को कहा कि बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रम का भारत के कारोबार पर कोई खास असर नहीं हुआ है और भारतीय उद्योग जगत की साख गुणवत्ता पर निकट-अवधि में इसका प्रभाव पड़ने की उम्मीद नहीं है।

क्रिसिल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा कि बांग्लादेश संकट का प्रभाव उद्योग एवं क्षेत्र-विशेष की बारीकियों और जोखिम के आधार पर अलग-अलग होगा। उसने कहा, हमें भारत के उद्योग जगत की क्रेडिट गुणवत्ता पर निकट-अवधि में इस घटनाक्रम का प्रभाव पड़ने की उम्मीद नहीं है। हालांकि लंबे समय तक व्यवधान रहने पर कुछ निर्यात-उन्मुख उद्योगों के राजस्व और कार्यशील पूंजी चक्रों पर असर देखने को मिल सकता है। फुटवियर, दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली कुछ कंपनियों की विनिर्माण इकाइयां बांग्लादेश में स्थित होने से उन कंपनियों पर इसका असर पड़ सकता है। संकट शुरू होने पर इन संयंत्रों को परिचालन चुनौतियों का सामना करना पड़ा था लेकिन अब अधिकांश इकाइयों का परिचालन शुरू हो गया है। इसके साथ ही क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने कहा कि बांग्लादेशी मुद्रा टका के रुख पर भी नजर रखनी होगी।

दिल्ली में मुख्यमंत्री का चेहरा बदलने से आम आदमी पार्टी का चरित्र नहीं बदलेगा : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पद से इस्तीफा देने के बीच भाजपा ने कहा कि मुख्यमंत्री का चेहरा बदलने से आम आदमी पार्टी (आप) का ''चरित्र'' नहीं बदलेगा। भाजपा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी दिल्ली में अपने शासन के दौरान 10 साल के ''भ्रष्टाचार'' के लिए अभी भी जवाबदेह है। इससे पहले दिन में, मंगलवार को विधायक दल की बैठक में आतिशी को सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री चुना गया। भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने दावा किया, ''चेहरा बदलने से आप का चरित्र नहीं बदलेगा...केजरीवाल के 10 साल के भ्रष्टाचार को देखते हुए, जो भी मुख्यमंत्री होगा उसे लोगों को बताना होगा कि उन्होंने दिल्ली के लोगों को कैसे लूटा।'' सचदेवा ने आरोप लगाया, ''उन्होंने हर विभाग में भ्रष्टाचार किया है और अब जनता उन्हें उस भ्रष्टाचार का जवाब देगी।'' केजरीवाल पर निशाना साधते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, ''पहले हमारे पास जेल से काम करने वाले एक मुख्यमंत्री थे जो बाद में 'जमानत पर बाहर आए मुख्यमंत्री' बन गये। अब कहा जा रहा है कि एक 'कठपुतली' मुख्यमंत्री को सत्ता में लाया जा रहा है।''

अनुच्छेद-370 को रद्द करने का फैसला संसद का था, भगवान का नहीं : उमर अब्दुल्ला

बडगाम/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 को रद्द करने का फैसला संसद ने लिया था, भगवान ने नहीं। उमर ने जोर देकर कहा कि इस फैसले को पलटा (भी) जा सकता है। उमर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जम्मू में चुनावी रैली में दी गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। शाह ने कहा था कि अनुच्छेद-370 इतिहास के पन्नों में दफन हो चुका है और यह फिर कभी भारतीय संविधान का हिस्सा नहीं बनेगा। नेकां उपाध्यक्ष ने कहा, नामुमकिन कुछ भी नहीं है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर में आतंववादी घटनाओं में वृद्धि के लिए भी जिम्मेदार ठहराया।

उमर ने सवाल किया, (जम्मू-कश्मीर पर) छह साल से केंद्र सरकार का नियंत्रण है। अगर जम्मू में फिर आतंकवादी हमले हो रहे हैं, अगर रियासी में तीर्थयात्रियों को निशाना बनाया गया, अगर सशस्त्र बलों पर हमले हो रहे हैं और अगर मुठभेड़ में अधिकारी एवं सैनिक मारे जा रहे हैं, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। अनुच्छेद-370 पर शाह की टिप्पणी का जिक्र करते हुए उमर ने कहा, यह भगवान का नहीं, संसद का फैसला था। संसद की ओर से लिए किसी भी फैसले को बदला जा सकता है। अगर उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों ने इसे हटाने के पक्ष में फैसला सुनाया, तो क्या यह मुमकिन नहीं है कि कल सात न्यायाधीशों की पीठ फिर से अनुच्छेद-370 के पक्ष में फैसला सुनाए।

गणपति विसर्जन

महाराष्ट्र के मुंबई और विभिन्न हिस्सों में मंगलवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच भगवान गणेश की मूर्तियों के विसर्जन के लिए धूमधाम से शोभा यात्रा शुरू की गई। 'गणेश चतुर्थी' उत्सव की शुरुआत सात सितंबर को हुई और मंगलवार को 'अनंत चतुर्दशी' के दिन लोगों ने गणपति को विदाई दी। मुंबई के लालबाग क्षेत्र में तेजुकाया मंडल की मूर्ति की शोभायात्रा ''गणपति बप्पा मोरया, पुढच्या वर्षी लवकर या'' (गणपति बप्पा अगले वर्ष जल्दी आओ) के जयकारों के बीच शुरू हुई। लालबाग के राजा की प्रसिद्ध मूर्ति को विदाई देने के लिए चिलचिलाती धूप में भी लालबाग की गलियों में भीड़ उमड़ पड़ी। गणपति विसर्जन के लिए फोर्ट, मझगांव, बायकुला, दादर और चेंबूर सहित मुंबई के विभिन्न हिस्सों से शोभा यात्रा अरब सागर और अन्य जल निकायों की ओर बढ़ीं। भगवान गणेश की मूर्तियों को विसर्जन स्थल ले जाने के लिए पंडालों से बाहर निकालते ही भक्त मूर्तियों के अंतिम दर्शन के लिए उत्सुक हो गए और वह विशेष रूप से गिरगांव समुद्र तट की ओर जाने वाली मुख्य सड़क समेत विभिन्न सड़कों पर बड़ी संख्या में उमड़ पड़े।

महिला स्वामित्व वाले एमएसएमई को बिना गारंटी के मिलेगा 90% तक कर्ज: मांझी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मंगलवार को कहा कि महिलाओं की अगुवाई वाले सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को सीजीटीएमएसई योजना के तहत अब 90 प्रतिशत तक कर्ज बिना किसी गारंटी के ही मिल सकेगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री मांझी ने कहा कि सीजीटीएमएसई के निदेशक मंडल ने इस संबंध में नए दिशा निर्देशों को पिछले सप्ताह मंजूरी दी। इस निर्णय से महिलाओं की अगुवाई वाले 27 लाख एमएसएमई को लाभ मिलने की उम्मीद है। यह महिला उद्यमियों के लिए बैंकों से किसी गारंटी के बगैर दिए जाने वाले कर्ज तक पहुंच बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सूक्ष्म एवं लघु उद्यम ऋण गारंटी निधि ट्रस्ट के निदेशक मंडल के फैसले से पहले महिला स्वामित्व वाली इकाइयां 85 प्रतिशत ऋण गारंटी कवरेज पाने की हकदार थीं। मांझी ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में अपने मंत्रालय की उपलब्धियों का ब्योरा देते हुए कहा कि 'पीएम विश्वकर्मा योजना' का 1 साल पूरा होने पर 20 सितंबर को महाराष्ट्र के वर्धा में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

देवेगौड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई दी

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के संरक्षक एच डी देवेगौड़ा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके 74वें जन्मदिन पर बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को गुजरात के एक छोटे से शहर में हुआ था। एच डी देवेगौड़ा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं कामना करता हूं कि वह अपने तीसरे कार्यकाल में भारत का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने के लिए और अधिक शक्तिशाली बनें। भगवान उन्हें अच्छा स्वास्थ्य और लंबी आयु दे।''

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और मुख्यमंत्री विजयन ने मोदी को जन्मदिन की दी बधाई

बेंगलूरु/तिरुवनंतपुरम। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके 74वें जन्मदिन पर बधाई दी तथा उनके अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को गुजरात के एक छोटे से शहर में हुआ था। सिद्दरामय्या ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मोदी के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की और कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके अच्छे स्वास्थ्य और हमेशा खुश रहने की कामना करता हूं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स' पर 74 वर्षीय मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपके हमेशा स्वस्थ रहने और खुशहाल जीवन की कामना करता हूं।

सभी पुराने ए320 नियो विमानों को आधुनिक रूप देगी एयर इंडिया

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया ने मंगलवार को उम्मीद जतायी कि 2025 के मध्य तक वह अपने पुराने 27 ए320 नियो विमानों का उन्नयन पूरा कर लेगी। इसके बाद एयरलाइन एक गलियारे वाले छोटे आकार के वाणिज्यिक विमानों में सीटों की तीन श्रेणियां- बिजनेस, प्रीमियम इकोनॉमी और इकोनॉमी होगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन शुरू हुए 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर के मरम्मत कार्यक्रम के तहत 40 बोइंग विमानों सहित सभी 67 पुराने एक गलियारे वाले छोटे आकार और चौड़े आकार के विमानों का उन्नयन करेगी।

टेबल स्पेस ने बेंगलूरु में करीब 500 करोड़ रुपये में पांच लाख वर्ग फुट स्थान का किया अधिग्रहण

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कार्यस्थल उपलब्ध कराने वाली कंपनी टेबल स्पेस ने बढ़ती मांग के बीच अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए बेंगलूरु में करीब 500 करोड़ रुपये में पांच लाख वर्ग फुट जगह खरीदी है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी ने बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड में करीब 500 करोड़ रुपये में पांच लाख वर्ग फुट का कार्यालय स्थल खरीदा है। उन्होंने बताया कि रियल एस्टेट सलाहकार सीबीआरई ने यह सौदे करने में मदद की। टेबल स्पेस के अध्यक्ष कुणाल मेहरा ने इस सौदे की पुष्टि की। हालांकि, सीबीआरई ने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। मेहरा ने कहा, टेबल स्पेस ने बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड (महादेवपुरा) स्थित कल्याणी कैमेलिया का अधिग्रहण किया है, जो करीब 5,00,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है। हालांकि, मेहरा ने सौदे के वित्तीय विवरण की जानकारी नहीं दी।

सोने का आयात अगस्त में दोगुना होकर 10.06 अरब डॉलर पर पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सीमा शुल्क में भारी कटौती और त्योहारी मांग आने से अगस्त में सोने का आयात दोगुने से अधिक होकर 10.06 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, एक साल पहले की समान अवधि में सोने का आयात 4.93 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने स्वर्ण आयात के इस रिकॉर्ड स्तर पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि सोने पर सीमा शुल्क दरों में भारी कटौती की गई है ताकि सोने की तस्करी और अन्य गतिविधियों में कमी आ सके।

बर्थवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह वह समय है जब जौहरी त्योहारों के मौसम में बिक्री के लिए अपने माल का स्टॉक करना शुरू करते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में सरकार ने शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत करने की घोषणा की थी। भारत का स्वर्ण आयात चालू वित्त वर्ष के पहले

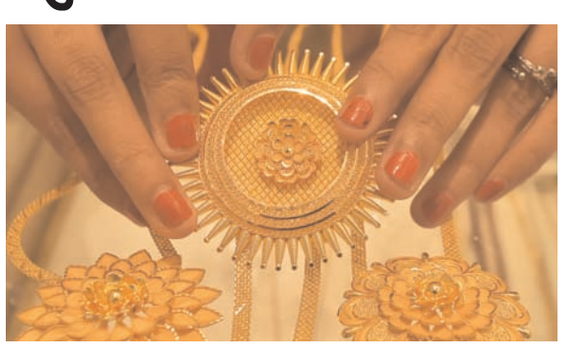

चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में 4.23 प्रतिशत घटकर 12.64 अरब डॉलर रह गया। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश का स्वर्ण आयात 30 प्रतिशत बढ़कर 45.54 अरब डॉलर हो गया था।

भारत सोने का सर्वाधिक आयात स्विट्जरलैंड से करता है जिसकी हिस्सेदारी लगभग 40% है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 16 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ दूसरे और दक्षिण अफ्रीका लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। देश के कुल आयात में इस कीमती धातु का हिस्सा पांच प्रतिशत से अधिक है। सोने के आयात में उछाल ने देश के व्यापार घाटे (आयात और निर्यात के बीच का अंतर) को अगस्त में बढ़ाकर 29.65 अरब डॉलर तक पहुंचा दिया।

पखवाड़े भर चलने वाला विशेष सफाई अभियान 'स्वच्छता ही सेवा' शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दरे के महाप्रबंधक ने विशेष सफाई अभियान का किया उद्घाटन

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह ने मंगलवार को दक्षिण रेलवे मुख्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को 'स्वच्छता शपथ' दिलाकर दक्षिण रेलवे में 'स्वच्छता ही सेवा' विशेष सफाई अभियान का उद्घाटन किया। महाप्रबंधक ने अपर महाप्रबंधक कौशल किशोर, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर पी. सुरेश कुमार और प्रमुख विभागाध्यक्षों, अन्य अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों और स्काउट्स एवं गाइड्स सहित कर्मचारियों के साथ स्वच्छता अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान और श्रमदान में भी भाग लिया।

दक्षिण रेलवे स्वच्छता के क्षेत्र में सतत सुधार हासिल करने के लिए अपने प्रयासों को दिशा दे रहा है। अपने कर्मचारियों, रेल उपयोगकर्ताओं और आम जनता के बीच स्वच्छता को बढ़ावा देने में अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देने के लिए, रेलवे 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' के नाम से एक पखवाड़े तक चलने वाला विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित करेगा, जो कर्मचारियों, रेल उपयोगकर्ताओं और आम जनता के बीच स्वच्छता को सुदृढ़ करने की रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्वच्छता ही सेवा 2024 का थीम स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता है, जिसका उद्देश्य स्वच्छता में सामूहिक कार्रवाई और नागरिक भागीदारी की भावना को फिर से जगाना है।

दक्षिण रेलवे के सभी मंडलों और कार्यशालाओं में भी आज विशेष सफाई अभियान चलाया गया और रेलवे कर्मचारियों, मंडल कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठानों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। स्वच्छता ही सेवा अभियान के प्रत्येक दिन स्वच्छता विषय पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी तथा दक्षिण रेलवे मुख्यालय, मंडलों, कार्यशालाओं, रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और अन्य क्षेत्रीय इकाइयों में गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। दक्षिण रेलवे ने रेल उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे ट्रेनों, रेलवे स्टेशनों और पटरियों पर स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखने में रेलवे के साथ हाथ मिलाएं।

दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने विशेष स्वच्छता अभियान शुरु किया

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने 17 सितम्बर को स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान 2024 की शुरुआत मंडल रेल प्रबंधक बी विश्वनाथ ईर्या ने डॉ . एमजीआर चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर की। इस मौके पर अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, तेज प्रताप सिंह और अंकुर चौहान, ए. इलमपूरनन, मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, चेन्नई मंडल के वरिष्ठ शाखा अधिकारी और कर्मचारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए, डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर एक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया और मंडल रेल प्रबंधक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में स्काउट, गाइड और सफाई कर्मचारियों ने भाग लिया और स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध। इस कार्यक्रम में वृक्षारोपण अभियान भी शामिल था। चेन्नई मंडल में रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों, डिपो, शेड, कार्यशालाओं, स्वास्थ्य इकाइयों, रेलवे कॉलोनियों, रेलवे अस्पतालों और अन्य रेलवे कार्यालयों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में विभिन्न गैर सरकारी संगठन, स्वयंसेवक, स्कूल/कॉलेज के छात्र, स्काउट और अन्य लोग शामिल होंगे। अभियान के एक भाग के रूप में स्वच्छता गतिविधियों में भाग लेने के लिए गाइड समूहों को आमंत्रित किया गया है।

उत्तराखंड में फंसे तमिलनाडु के 30 तीर्थयात्री अपने घरों को लौट रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उत्तराखंड में भूस्खलन के कारण फंसे तमिलनाडु के 30 तीर्थयात्रियों ने अपने घरों को लौटना शुरू कर दिया हैं और 13 लोगों का पहला जत्था मंगलवार को चेन्नई रवाना हुआ। कडलूर के जिलाधिकारी सिबी आदित्य सेंथिल कुमार ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि तीर्थयात्रियों में से 13 चेन्नई के लिए उड़ान भर चुके हैं, जबकि दो दिल्ली से कोयंबटूर के लिए उड़ान भर चुके हैं और दो अन्य ने बेंगलूरु के लिए उड़ान भरी है।

उन्होंने बताया कि शेष 13 लोग ट्रेन में सवार हो गए हैं और बुधवार को चेन्नई पहुंच जाएंगे। ये तीर्थयात्री दर्शन के बाद लौटते समय आदि कैलाश से करीब 18 किलोमीटर दूर भूस्खलन के कारण फंस गए थे और उस स्थान से आगे नहीं बढ़ पाए। उन्हें दो दिन तक आश्रम में रहना पड़ा। 15 सितंबर को तमिलनाडु सरकार के हस्तक्षेप से उन्हें हेलीकॉप्टर द्वारा पिथौरागढ़ जिले के धारचूला लाया गया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कडलूर जिले के फंसे हुए लोगों से बात की और उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय करने का आश्वासन दिया। आदि कैलाश (शिव कैलाश) पिथौरागढ़ जिले में हिमालय पर्वत श्रृंखला में स्थित एक पर्वत है। जिलाधिकारी ने कहा, वे सभी सुरक्षित हैं। राज्य सरकार ने दिल्ली में उनके ठहरने और उनके लिए ट्रेन के टिकट की भी व्यवस्था की है।

यह पूछे जाने पर कि क्या किसी यात्री ने उनसे संपर्क किया है, कुमार ने कहा, उनमें से कुछ ने रविवार और सोमवार को भी मुझे फोन किया तथा उन्होंने व्यवस्था और सुरक्षित घर वापसी के लिए जिला और राज्य प्रशासन को धन्यवाद दिया।

रजनीकांत, अक्षय कुमार और चिरंजीवी ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। अभिनेता रजनीकांत, अक्षय कुमार और चिरंजीवी सहित सिने जगत की कई हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को 74 वर्ष के हो गए। मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को गुजरात के एक छोटे से शहर में हुआ था।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में रजनीकांत ने कहा, हमारे सबसे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर आपको हमेशा अच्छी सेहत और खुशियां प्रदान करें। अभिनेता अक्षय कुमार ने 'एक्स' पर लिखा, आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, नरेन्द्र मोदी जी। देश के लिए आप बिना थके, बिना रुके जो कर रहे हैं, उस पर हम सब को गर्व है। भगवान से प्रार्थना है कि आप खुश और स्वस्थ रहें। चिरंजीवी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! आपकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं! भगवान आपको अधिक ताकत दें ताकि आप हमारे देश को नयी ऊंचाइयों तक ले जा सकें!!

अभिनेता सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ ने भी प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। शेट्टी ने 'एक्स' पर लिखा, हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपका नेतृत्व हमारे देश को नयी ऊंचाइयों और उपलब्धियों की ओर ले जाता रहे। आपको अच्छे स्वास्थ्य और खुशियों से भरा एक और साल मिले। श्रॉफ ने कहा, हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं!

न्यायालय ने केरल में अभिनेत्री पर हमले के मामले में मुख्य आरोपी को जमानत दी

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केरल में 2017 में एक अभिनेत्री पर हमले के मामले में मुख्य आरोपी सुनील एन एस को मंगलवार को जमानत दे दी। इस मामले में अभिनेता दिलीप भी आरोपी हैं। न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ मामले में सुनील की जमानत याचिका खारिज करने के केरल उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनील को 'पल्सर सुनी' के नाम से भी जाना जाता है। पीठ ने उनकी सात साल से अधिक लंबी कैद की अवधि पर विचार किया और यह भी कहा कि मुकदमे की सुनवाई जल्द ही समाप्त होने की संभावना नहीं है।

शीर्ष न्यायालय ने कहा कि सुनील को उनकी रिहाई के लिए जमानत शर्तें तय किए जाने के वास्ते एक सप्ताह के भीतर निचली अदालत में पेश किया जाए। उसने कहा कि अभियोजन पक्ष जमानत पर उनकी रिहाई के लिए सख्त शर्तें लगाने के वास्ते निचली अदालत में दलीलें पेश कर सकता है। तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री का 17 फरवरी 2017 की रात को कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया था और करीब दो घंटे तक कार में उनके साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की। बाद में वे भाग गए थे।

आरोपियों ने अभिनेत्री को ब्लैकमेल करने के लिए पूरी घटना की वीडियो बनायी थी। पुलिस ने इस मामले के संबंध में कई लोगों को गिरफ्तार किया। मामले में दिलीप को भी गिरफ्तार किया गया और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। उच्च न्यायालय ने तीन जून को दिए आदेश में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी और उन पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया था।

आलोचनाओं के बीच मलयालम सिनेमा को मिलेगा नया संघ

तिरुवनंतपुरम/भाषा। न्यायमूर्ति के. हेमा समिति की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासों से मलयालम सिनेमा में मची खलबली के बीच फिल्मी हस्तियों का एक समूह इस क्षेत्र को फिर से मजबूत करने और निष्पक्ष तथा न्यायसंगत कार्य परिस्थितियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नया फिल्म संघ बनाने की तैयारी में है। प्रस्तावित संगठन, प्रगतिशील फिल्म निर्माता संघ (प्रोग्रेसिव फिल्ममेकर्स एसोसिएशन) का एक पत्र मलयालम सिनेमा उद्योग के सदस्यों को भेजा गया है। मीडिया को इस पत्र की एक प्रति मिली है। इसमें कथित तौर पर जाने-माने फिल्म निर्माता अंजलि मेनन, लिजो जोस पेलिसरी, राजीव रवि और आशिक अबू, अभिनेत्री रीमा कलिंगल और निर्माता बिनीश चंद्रा के हस्ताक्षर हैं। इसके अनुसार, मलयालम फिल्म उद्योग, राज्य की अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक परिदृश्य में अपने महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, पुरानी प्रणालियों और प्रथाओं से बंधा हुआ है।

उसने कहा, फिल्म निर्माता-निर्माता, निर्देशक, तकनीशियन के रूप में हम वह आधार हैं जिस पर यह उद्योग खड़ा है। नौकरियां पैदा करने, नवाचार को बढ़ावा देने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के बावजूद हम अक्सर खुद को एक अव्यवस्थित वातावरण में पाते हैं, जो आधुनिक उद्योगों के प्रगतिशील मानकों से बहुत दूर है।

पत्र में फिल्मी हस्तियों से प्रगतिशील फिल्म निर्माता संघ के तहत एकजुट होने का आग्रह किया गया है और आश्वासन दिया गया है कि यह समूह मलयालम सिनेमा के लिए एक नए युग की रीढ़ की हड्डी के रूप में काम करेगा।

सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

तिरुनेलवेली। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में मंगलवार को एक ट्रक और मोटरसाइकिल के बीच टक्कर हो जाने की घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गयी जिसमें दो लड़कियां शामिल हैं। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल दूर जा गिरी और विपरीत दिशा से आ रही एक लॉरी ने उसे टक्कर मार दी, जिससे इस घटना में मोटरसाइकिल पर सवार चारों लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान कन्नन (40), उसकी बच्चियों मारेश्वरी (14), सम्मेरा (7) और उसकी 60 वर्षीय सास अंडाल के रूप में हुई है। कन्नन तिरुनेलवेली के पास एक गांव का रहने वाला था । पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

प्रत्येक कार्यालय में हिंदी दिवस संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के अपर मंडल रेल प्रबंधक/चेन्नै मंडल एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी तेजप्रताप सिंह के निर्देशानुसार हिंदी विभाग द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि गृह मंत्री के एवं महाप्रबंधक, दक्षिण रेलवे आर.एन.सिंह के संदेश को चेन्नै मंडल के प्रत्येक कार्यालय में पहुँचाया जाए एवं कर्मचारियों को इसका महत्व समझाया जाए।

इस संदर्भ में 17 सितम्बर को सूलूरपेटा स्टेशन में, सहायक मंडल इंजीनियर, मोहक जुनेजा की अध्यक्षता में, मंडल चिकित्सा अधिकारी एम.नरहरी की उपस्थिति में उस स्टेशन के 50 कर्मचारियों को संदेश की प्रति दी गयी और पढ़ाया गया, समझाया गया।

सभी उत्साह के साथ राजभाषा की प्रगति में अपना योगदान देने के लिए सहमत थे।

केंद्र को भेजे गए वायनाड राहत ज्ञापन में सामान्य समझ का अभाव : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/कोच्चि। केरल में विपक्षी कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य की सत्तारूढ़ वाम सरकार द्वारा वायनाड आपदा राहत कार्य के लिए तत्काल सहायता की खातिर केंद्र को दिए गए ज्ञापन में सामान्य समझ का अभाव है और इसमें आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर दिए गए हैं। कांग्रेस ने कहा कि ज्ञापन लापरवाही से तैयार किया गया है और यह राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) के नियमों के अनुरूप नहीं है। विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने यह आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उचित ज्ञापन तैयार करने में नाकाम रही है और उम्मीद जताई कि इससे केरल को अत्यंत आवश्यक केंद्रीय सहायता से वंचित नहीं होना पड़ेगा।

सतीशन ने कोच्चि में पत्रकारों से कहा कि ज्ञापन में शामिल राशि वायनाड आपदा से संबंधित केरल उच्च न्यायालय के आदेश का हिस्सा है, न कि मीडिया या विपक्ष द्वारा बनाई गई है। उन्होंने कहा कि इसमें उल्लिखित आंकड़ों ने वायनाड राहत उपायों में जनता का भरोसा खत्म कर दिया है। विपक्ष के नेता ने कहा कि ज्ञापन एसडीआरएफ के नियमों के अनुसार बनाया जाना था, लेकिन इसमें उल्लिखित कई चीजों का नियमों से कोई संबंध नहीं है।

सतीशन ने कहा कि ज्ञापन में अवशेषों को दफनाने पर राज्य द्वारा किए गए खर्च के रूप में एक बड़ी राशि का उल्लेख है, जबकि इसके लिए भूमि मुफ्त दी गई थी और अवशेषों को दफनाने का अधिकांश काम स्वयंसेवकों द्वारा किया गया था। विपक्ष के नेता ने कहा, सरकार कैसे दावा कर सकती है कि उसने प्रत्येक शव को दफनाने पर 75,000 रुपये खर्च किए हैं? हम इन आंकड़ों पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? ज्ञापन तैयार करने में अनियमितताएं हैं। इसे इस तरह से तैयार नहीं किया गया है। इसमें सामान्य समझ का अभाव है।

उन्होंने कहा कि अगर केंद्र ने ज्ञापन मिलने के बाद भी कोई धनराशि नहीं दी है तो राज्य सरकार को शिकायत दर्ज करानी चाहिए। सतीशन ने कहा, अगर उन्हें (राज्य सरकार को) कोई शिकायत नहीं है तो हम विपक्ष होने के नाते कैसे शिकायत कर सकते हैं? इससे पहले दिन में, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नीथला ने कहा कि राज्य सरकार को यह आकलन करने की जरूरत है कि क्या भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले में आपदा राहत कार्यों की खातिर केंद्र से अधिक धन प्राप्त करने के लिए कथित रूप से बढ़ा-चढ़ाकर आंकड़े पेश करना सही था?

चेन्नीथला ने वामपंथी सरकार से सही तथ्यों का खुलासा करने का अनुरोध किया, जिसमें वह वायनाड राहत प्रयासों के संबंध में केरल उच्च न्यायालय में दिए अपने हलफनामे के बारे में भी बताए।

एक दिन पहले मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के घटक दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि वामपंथी सरकार ने राहत उपायों के संबंध में खर्च की गयी धनराशि में भ्रष्टाचार किया।

काली मिर्च पर जीएसटी छूट जारी रखने का सीतारमण से अनुरोध

बेंगलूरु। लोकसभा सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर काली मिर्च को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से दी गई छूट जारी रखने का अनुरोध किया है। वाडियार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सीतारमण को लिखे गए इस पत्र की प्रति जारी की। उन्होंने यह पत्र अपने लोकसभा क्षेत्र के कुछ काली मिर्च उत्पादक किसानों को मिले जीएसटी नोटिस के संदर्भ में लिखा है।

उन्होंने कहा, कोडागु, हासन और चिकमंगलूर जिलों के किसानों के महत्वपूर्ण मुद्दे काली मिर्च के लिए जीएसटी छूट पर चर्चा करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस दौरान कृषि उपज वर्गीकरण और किसानों एवं निर्यात पर संभावित नकारात्मक असर को देखते हुए उनसे कर छूट जारी रखने का अनुरोध किया। किसानों को मिले नोटिस में कहा गया है कि उनके बागान में उगाई गई काली मिर्च की बिक्री जीएसटी के अधीन है और बागान मालिक को जीएसटी अधिनियम के तहत पंजीकृत होना भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि यह नोटिस काली मिर्च को सुखाने की प्रक्रिया को लेकर फैली गलतफहमी का नतीजा है। काली मिर्च उत्पादकों के मुताबिक, सुखाने की प्रक्रिया काली मिर्च की आवश्यक विशेषताओं को मौलिक रूप से नहीं बदलती है। यह मुख्य रूप से एक संरक्षण तकनीक है।

वाडियार ने कहा कि इन उत्पादों पर जीएसटी लगाने से कर्नाटक के कोडागु, हासन और चिकमंगलुरु के साथ-साथ केरल और तमिलनाडु के उत्पादकों पर भी काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

मलप्पुरम में एमपॉक्स संक्रमण का संदिग्ध मरीज, नमूने जांच के लिए भेजे गए

मलप्पुरम। केरल के मलप्पुरम जिले में एमपॉक्स संक्रमण का एक संदिग्ध मामला सामने आया है। यहां हाल ही में विदेश से लौटे एक व्यक्ति में इस बीमारी के लक्षण पाए गए हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मरीज कुछ दिन पहले केरल पहुंचा था और बीमार पड़ने पर उसे पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अधिकारी ने कहा, वहां से उसे मंजेरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। यह संदेह होने पर कि यह एमपॉक्स का मामला हो सकता है, हमने जांच के लिए उसके नमूने कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेजे। जांच रिपोर्ट मिलने का इंतजार है।

पिछले सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी में एमपॉक्स का एक नया मामला सामने आया था जहां हरियाणा के हिसार निवासी 26 वर्षीय व्यक्ति में वायरस की पुष्टि हुई और उसे दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे एक अकेला मामला बताया था, जो जुलाई 2022 से भारत में पहले दर्ज किए गए 30 मामलों की तरह था और कहा कि यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा रिपोर्ट की गई वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति का हिस्सा नहीं था, जो एमपॉक्स के क्लेड 1 के बारे में है। इसमें कहा गया था कि हिसार निवासी 26 वर्षीय व्यक्ति पश्चिमी अफ्रीकी क्लेड-2 के एमपॉक्स वायरस के लिए पॉजिटिव पाया गया। डब्ल्यूएचओ ने पिछले महीने अफ्रीका के कई हिस्सों में इसकी व्यापकता और प्रसार को देखते हुए दूसरी बार एमपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किया था। एमपॉक्स संक्रमण आम तौर पर केवल पीड़ित तक सीमित रहता है। यह दो से चार सप्ताह तक रहता है और इसके रोगी आमतौर पर चिकित्सा देखभाल से स्वस्थ हो जाते हैं। यह संक्रमित रोगी के साथ लंबे समय तक और निकट संपर्क में रहने से फैलता है। केरल में संदिग्ध एमपॉक्स का मामला हाल ही में निपाह संक्रमण के कारण 24 वर्षीय एक युवक की मौत के बाद मलप्पुरम जिले में नियंत्रण क्षेत्र स्थापित किए जाने के मद्देनजर सामने आया है। सरकार ने रविवार को पुष्टि की है कि नौ सितंबर को मरने वाला व्यक्ति निपाह वायरस से संक्रमित था। निपाह संक्रमण के इलाज के दौरान मलप्पुरम के एक लड़के की 21 जुलाई को मृत्यु हो गई। यह इस वर्ष राज्य में निपाह संक्रमण का पहला पुष्ट मामला था। कोझीकोड जिले में 2018, 2021, 2023 में तथा एर्नाकुलम जिले में 2019 में निपाह का प्रकोप सामने आया था। कोझिकोड, वायनाड, इडुक्की, मलप्पुरम और एर्नाकुलम जिलों के चमगादड़ों में निपाह वायरस एंटीबॉडी' की उपस्थिति पाई गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के 'विजन' को आगे बढ़ाएंगे : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार अपने कार्यों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विजन' को आगे बढ़ाएगी। प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए शर्मा ने मोदी को दुनिया का सबसे बड़ा नेता बताया और कहा कि उनके जन्मदिन के उपलक्ष्य में राजस्थान में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

उन्होंने यहां 'श्रमदान' कार्यक्रम में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, आज ऐसे व्यक्तित्व का जन्मदिन है जो देश ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे बड़े नेता हैं और उन्होंने राजनीति के साथ साथ सामाजिक सरोकार के कार्यों को उतना ही महत्व दिया है। मैं उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, हमने पूरे प्रदेश में स्वच्छता अभियान का आगाज किया है। लगातार यह अभियान चलेगा। स्वच्छता अभियान ही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी के सामाजिक सरोकारों से जुड़े... 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' से लेकर 'एक पेड़ मां के नाम'... तक जितने भी अभियान हैं, हमारी सरकार व राजस्थान की जनता निश्चित रूप से उनको पूरा करेगी।

शर्मा ने कहा, मैं राजस्थान की जनता को यही कहना चाहता हूं कि हम 'विजन' के साथ चलें ताकि विकसित राजस्थान को लेकर हमारे मन में जो कल्पना है, मोदी जी का जो 'विजन' है, उसे हम मिलकर आगे बढ़ाएंगे। राजस्थान को विकसित राजस्थान बनाने का काम करेंगे। कार्यक्रम में जयपुर ग्रेटर नगर निगम की मेयर सौम्या गुर्जर, विधायक कालीचरण सराफ और अन्य नेता मौजूद थे। बाद में शर्मा ने बिड़ला सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया, जहां 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरुआत की गई। इस अवसर पर 'मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव' का आयोजन किया गया और विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सफाई मित्रों को आयुष्मान कार्ड वितरित कर सम्मानित भी किया। इस दौरान महिला सफाई मित्र ने मुख्यमंत्री को तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा। शर्मा ने नगर निगम की 'रिसाइकिल' एवं 'जयपुर 311' एप्स का बटन दबाकर शुभारंभ किया। उन्होंने इन दोनों एप्स का पोस्टर विमोचन भी किया। 'रिसाइकिल एप' के माध्यम से नगर निगम द्वारा सूचना प्राप्त होने पर अब घर से ही सूखा कचरा श्रेणीवार एकत्रित किया जाएगा। साथ ही, घर पर ही निगम द्वारा ऑनलाइन भुगतान भी किया जाएगा। नगर निगम संबंधी समस्याओं के निस्तारण के लिए शहरवासी जयपुर 311 एप का प्रयोग कर सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया तथा निगम द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, जयपुर ग्रेटर महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर, विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा, उप महापौर पुनीत कर्णावत, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा सहित जयपुर नगर निगम एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं आमजन मौजूद रहे।शर्मा मंगलवार को जयपुर के आराध्य गोविन्द देवजी मंदिर पहुंचे। उन्होंने यहां सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। मंदिर के महंत ने शर्मा को गोविन्ददेवजी का चित्र भी भेंट किया। वहां उपस्थित जनसमूह ने मुख्यमंत्री को माला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में महिलाओं को तुलसी के पौधे भी वितरित किए। इस दौरान विधायक बालमुकुन्दाचार्य सहित बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित थे।

युवक का शव खेत में पड़ा मिला, हत्या की आशंका

जयपुर। जयपुर के जयसिंहपुरा थाना इलाके में मंगलवार सुबह एक युवक का शव खेत में पड़ा मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि 30 वर्षीय युवक की हत्या पत्थर से उसका सिर कुचलकर की गई। शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को खेत में पड़ा पाया। आगे की जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) से फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम को मौके पर बुलाया गया। शव के पास खून से सना एक बड़ा पत्थर भी मिला है। मामले में सुराग जुटाने के लिए पुलिसकर्मी इलाके में लगे सीसीटीवी खंगाल रहे हैं।

सड़क हादसे में ननद, भाभी की मौत

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर जिले में मंगलवार तड़के सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। श्रीडूंगरगढ़ के थाना प्रभारी इंद्र कुमार ने बताया कि महिलाएं आज तड़के मंदिर जा रही थीं, तभी एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में राखी (34) और उसकी ननद खुशी (20) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि एक अन्य घायल महिला को बीकानेर के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के बाद कार चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया।

भरतपुर संभाग में आज भारी बारिश की चेतावनी

जयपुर। मौसम विभाग ने एक नए मौसमी तंत्र के प्रभाव से बुधवार को राजस्थान के कई हिस्सों में बारिश होने व भरतपुर संभाग में कहीं कहीं भारी बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार झारखंड के ऊपर बना 'दबाव' आज पश्चिमी झारखंड व छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ गया। अगले 12 घंटों में इस 'दबाव' के पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ने तथा कमजोर होकर स्पष्ट रूप से कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से पूर्वी राजस्थान में आगामी दो-तीन दिन गरज के साथ बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने तथा 18 सितंबर को जयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर, उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम बारिश तथा भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसी तरह, 19 सितंबर को भी गरज के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, 18-19 सितंबर को पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के ज्यादातर भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है।

राजस्थान में उपचुनाव में कांग्रेस सभी सीटें जीतेगी : रंधावा

अलवर। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा है कि राजस्थान में सात सीटों पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस सभी सीटें जीतेगी। रंधावा ने यह बात आज अलवर में एक दिवसीय दौरे के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पहले छह सीटों पर चुनाव होने दें, अब एक सीट और खाली हो गयी है। इस पर चुनाव होने हैं। कांग्रेस कार्यसमिति की बुधवार को बैठक है, जिसमें निर्णय लिया जायेगा और प्रत्याशी घोषित करने की प्रक्रिया शुरू होगी। माना यह जा रहा है कि रामगढ़ से होने वाले उप चुनाव में जुबेर के परिवार से ही किसी को टिकट दिया जायेगा, क्योंकि रंधावा ने इस बात का स्पष्ट संकेत दिया कि चुनाव से संबंधित जुबेर के परिवार से बात की जायेगी। रंधावा ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुये कहा कि डबल इंजन की सरकार नहीं है, अब ऊपर का इंजन तो सिर्फ धुंआ ही दे रहा है और एक स्टेशन पर खड़ा है । राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री का जिक्र करते उन्होंने कहा कि दूसरा इंजन भी वहीं खड़ा है वह कोई पता ही नहीं है राज कैसे किया जाता है।

स्वच्छता अभियान से लोगों की मानसिकता में क्रांतिकारी बदलाव आया : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि स्वच्छ भारत मिशन, महिला सशक्तीकरण एवं आजीविका सृजन का शक्तिशाली साधन है और स्वच्छता अभियान से सफाई के प्रति लोगों की मानसिकता में क्रांतिकारी बदलाव आया है। वह झुंझुनू में 'स्वच्छता ही सेवा 2024' अभियान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, इस दशक के दौरान प्रधानमंत्री जी की पहल से लोगों की मानसिकता में क्रांतिकारी और व्यापक परिवर्तन आया है। स्वच्छता के प्रति उनकी दृष्टि बदली है।

उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उद्घोष एक दशक में दुनिया का सबसे बड़ा क्रांतिकारी कदम साबित हुआ है और इस अभियान की वजह से लोगों की मानसिकता में क्रांतिकारी और व्यापक परिवर्तन आया है एवं स्वच्छता के प्रति उनकी दृष्टि बदली है।

आधिकारिक बयान के अनुसार उन्होंने कहा, एक दशक के बाद आज नई शुरुआत हो रही है, यह अभियान सफाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह हमारे विचारों में बदलाव लाएगा, आदतों में बदलाव लाएगा, जीवन शैली को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा और आर्थिक उन्नति के अंदर बहुत जबरदस्त योगदान करेगा। स्वच्छ भारत अभियान से रोजगार सृजन पर ज़ोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश में इस समय हमारे पास 10 हजार स्वयं सहायता समूह हैं जो इस मिशन से अपनी आजीविका कमा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से देश में नारी शक्ति को आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता की एक नई गति मिली है। 'मेरा युवा भारत' कार्यक्रम की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने सभी कुलपतियों, प्राचार्यों से युवाओं को इस कार्यक्रम से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा, डेढ़ करोड़ युवा विकसित भारत के दृष्टिकोण में शामिल होने के लिए आगे बढ़े हैं। इससे उनकी मानसिकता बदलेगी, राष्ट्रवाद के प्रति उनकी प्रतिबद्धता बेहतर होगी और हमारे लोकतंत्र को धार मिलेगी।

धनखड़ ने स्वच्छता को स्वभाव, संस्कार और संस्कृति से जोड़ने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा, स्वच्छ भारत मिशन, महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका सृजन का एक शक्तिशाली साधन भी बन गया है। स्वच्छता अभियान ने शौचालय बनाकर माताओं, बहनों के जीवन से एक अभिशाप को खत्म किया है। भारत में कचरा प्रबंधन के संबंध में हुए आमूल-चूल परिवर्तन को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में एक मिसाल बन गया है क्योंकि आज कचरे से ईंधन, ऊर्जा और कंपोस्ट बन रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान से पहले देश कचरे के चक्कर में फंसा था लेकिन आज कचरा चक्रीय अर्थव्यवस्था में फंसा हुआ है।

जल जीवन मिशन मामले में राज्यपाल ने पूर्व मंत्री महेश जोशी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल जीवन मिशन योजना में राजस्थान में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में अपनी जांच का दायरा बढ़ाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि राज्यपाल ने हाल ही में राज्य भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को पूर्व जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचईडी) मंत्री महेश जोशी के खिलाफ अभियोजन को मंजूरी दी है। सूत्रों ने बताया कि ईडी द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 66(2) के तहत एसीबी के साथ मामले से संबंधित 'अपराध साबित करने वाले साक्ष्य' साझा किए जाने के बाद यह मंजूरी दी गई।

ईडी ने इस मामले में जोशी के परिसरों सहित कई स्थानों पर तलाशी ली थी तथा एक कथित बिचौलिए और कुछ ठेकेदारों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। एसीबी के महानिदेशक (डीजी) रवि प्रकाश मेहरड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राज्यपाल ने पूर्व मंत्री (जोशी) के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति लगभग एक महीने पहले जारी की थी।

उन्होंने बताया, चूंकि राज्यपाल मंत्री को नियुक्त करते हैं इसलिए वह ऐसी अभियोजन स्वीकृति जारी करने के लिए सक्षम होते हैं। सूत्रों ने बताया कि एसीबी ने लंबित मामले में कथित तौर पर संलिप्त 15 अधिकारियों के खिलाफ इसी तरह की मंजूरी मांगी है। ईडी के सूत्रों ने बताया कि इस मंजूरी से मामले की जांच 'मजबूत' होगी और अब वह आरोपियों द्वारा कथित अनियमितताओं के जरिए कमाए गए सारे 'धन' की जांच कर सकेगी। ईडी के एक अधिकारी ने बताया, अभियुक्तों की तलाशी और पूछताछ के दौरान एजेंसी (ईडी) द्वारा एकत्र किए गए महत्वपूर्ण साक्ष्यों को पीएमएलए की धारा 66 (2) के तहत राजस्थान की एसीबी के साथ साझा किया गया, जिसके चलते पूर्व मंत्री (जोशी) के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी गई।

उन्होंने बताया कि ईडी द्वारा धन शोधन मामले की जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन (जेजेएम) का उद्देश्य घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है और इसे राजस्थान में राज्य के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। ईडी की जांच एसीबी द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है। ईडी ने मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें गणपति ट्यूबवेल कंपनी के मालिक महेश मित्तल, श्याम ट्यूबवेल कंपनी के मालिक पदमचंद जैन, पीयूष जैन नामक एक व्यक्ति और कथित बिचौलिया संजय बड़ाया शामिल है।

मोदी स्वप्न द्रष्टा प्रधानमंत्री, उनके नेतृत्व में राष्ट्र तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की है। बागडे ने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्र में निरंतर सर्वांगीण विकास के कार्य हुए हैं। उन्होंने मोदी को स्वप्न द्रष्टा प्रधानमंत्री बताते हुए देश में विकास के लिए उनकी पहल पर हुए कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि विकसित भारत का उनका संकल्प भारत को फिर से विश्व गुरु के रूप में स्थापित करेगा। उन्होंने मोदी के स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इससे पहले बागडे ने राजभवन में प्रधानमंत्री की पहल पर देशभर में पौधारोपण के लिए चलाए जा रहे अभियान एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत राजभवन के औषधीय उद्यान में पौधारोपण किया।

पीएम आवास योजना एवं विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव, स्वच्छता ही सेवा, पीएम आवास योजना एवं विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह का शुभारंभ कर विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर प्रदेश को अभूतपूर्व विकास की सौगातें दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डूंगरपुर जिले में 46.56 करोड़ रूपये लागत के सोलर पावर प्लांट्स , 12.43 करोड़ रूपये लागत की परियोजनाओं एवं कार्यों के शिलान्यास एवं 5.83 करोड़ रूपये लागत कार्यों के लोकार्पण कर जिलेवासियों को विकास की सौगातें दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सेवा ही कर्म है और प्रदेश में विकास के नये आयाम स्थापित कर युवाओं को रोजगार देने, आत्मनिर्भर बनाने, किसानों, महिलाओं, वंचितों के साथ ही हर वर्ग के लिए सरकार कार्य कर रही है और आने वाले समय में भी सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास की मंशानुरूप ही राज्य को विकसित बनाने की संकल्पना को मुर्त रूप देने का हर संभव प्रयास करेंगे।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से प्रदेश में नवनियुक्त कार्मिकों से संवाद किया। डूंगरपुर जिले से नवनियुक्त सांख्यिकी अधिकारी दिनेश कुमार और प्रवर्तन निरीक्षक हर्षित कोडियार से संवाद कर बधाई दी। इस अवसर पर दोनों ही नवनियुक्तों ने शीघ्रता से नियुक्ति मिलने पर राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया । इस अवसर पर दिनेश कुमार ने सकारात्मक एवं ऊर्जावान कविता की पंक्तियां उदद्यत कर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने सराहना करते हुए कहा कि यह पंक्तियां सभी ऊर्जावान नौजवान पीढ़ी को उत्साह से कार्य करने की प्रेरणा देंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों एवं अधिकारियों को बधाई देते हुए पूरी निष्ठा से कार्य करने तथा आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनने की बात कही।

इस दौरान डूंगरपुर शहर मुख्यालय पर स्थित विजयराजे सिंधिया ओडिटोरियम में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराड़ी के मुख्य आतिथ्य, जिला प्रमुख सूर्या अहारी, नगर परिषद सभापति अमृतलाल कलासुआ, जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह, आसपुर विधायक उमेश डामोर, उपसभापति सुदर्शन जैन, पूर्व सांसद कनकमल कटारा, पूर्व राज्य मंत्री सुशील कटारा, पूर्व विधायक गोपीचंद मीणा, प्रधान बिछीवाड़ा देवराम रोत, समाजसेवी बंसीलाल कटारा के विशिष्ट आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर टीएडी मंत्री ने कहा कि कम समय में ही राज्य सरकार ने युवाओं को नियुक्तियां देकर अपने प्रतिबद्धता को निभाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता लोकतांत्रिक तरीके से सबका साथ-सबका विकास की मंशा के साथ विकसित भारत और विकसित राजस्थान की संकल्पना को मूर्त रूप देना है ।

सबके साथ से ही साकार होगा विकसित भारत का संकल्प : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उदयपुर जिले के प्रभारी तथा राजस्व व उपनिवेशन विभाग मंत्री हेमन्त मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने का संकल्प लिया है। यह संकल्प देश के हर वर्ग के सहयोग से ही साकार होगा। इसके लिए सरकार समेकित विकास की दिशा में काम कर रही है। सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से जहां गरीब तबकों को ऊपर उठाने का प्रयास हो रहा है, वहीं आत्मनिर्भर भारत के माध्यम से देश को प्रोडक्शन हब बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। उसी के अनुरूप मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार भी काम कर रही है।

मीणा मंगलवार को उदयपुर जिला स्थित सुखाड़िया रंगमंच सभागार में आयोजित जिला स्तरीय प्रधानमंत्री आवास योजना लाभ हस्तांतरण, मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव, विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। प्रभारी मंत्री मीणा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के हर वर्ग का ध्यान रखते हुए काम कर रही है। किसान सम्मान निधि में बढ़ोतरी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि जैसे कार्यों से जहां सामाजिक सुरक्षा को मजबूती दी जा रही है। वहीं राइजिंग राजस्थान के माध्यम से राजस्थान में निवेश प्रोत्साहन और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी के लिए प्रयासरत है।

समारोह को विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, जिला प्रमुख ममता कुंवर, जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

वातावरण शुद्ध रहेगा तो हर व्यक्ति स्वस्थ रहेगा : खर्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा देश को स्वच्छ एवं सुंदर रखने की है। देश साफ सुथरा रहेगा तो देश का व्यक्ति भी स्वस्थ रहेगा। ब्यावर जिले के प्रभारी मंत्री खर्रा आज स्वच्छता ही सेवा अभियान का आगाज करने ब्यावर आये। उन्होंने सफाई अभियान में भाग लिया और उपस्थित लोगों को सफाई के लिए शपथ दिलाई। उन्होंने प्रधानमंत्री के जन्मोत्सव पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत सिटी सिनेमा से चांग गेट तक विधायक शंकर सिंह रावत, नगर परिषद के सभापति नरेश कनोजिया, आयुक्त श्रवणराम चौधरी, जिला कलक्टर उत्सव कौशल, उपखण्ड अधिकारी गौरव बुढानिया सहित सैकडों भाजपा कार्यकर्ताओं, नगर परिषद कर्मचारियों एवं अधिकारियों के साथ सफाई अभियान में भाग लेकर स्वस्थ स्वास्थ्य के लिये सफाई ही महत्वपूर्ण हैं इस बात पर विशेष बल दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा सरकार की 'सुभद्रा' योजना की शुरुआत की, परियोजनाओं का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा के विकास के लिए महिला सशक्तीकरण को महत्वपूर्ण बताते हुए मंगलवार को प्रदेश सरकार की महिला केंद्रित योजना 'सुभद्रा' की शुरुआत की और राज्य में 3,800 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली रेलवे और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का अनावरण किया।

मोदी ने इस मौके पर 14 राज्यों में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत करीब 10 लाख लाभार्थियों को सहायता की पहली किश्त भी जारी की। उन्होंने आवास योजना के 26 लाख लाभार्थियों के लिए 'गृह प्रवेश' कार्यक्रमों में भी भाग लिया। मोदी ने पीएमएवाई-जी के तहत अतिरिक्त परिवारों के सर्वेक्षण के लिए 'आवास प्लस 2024' ऐप भी जारी किया।

गृह प्रवेश समारोहों में भागीदारी करते हुए मोदी ने भुवनेश्वर की साबार साही झुग्गी का दौरा किया और कुछ लाभार्थियों से बात की। प्रधानमंत्री ने वहां पीएमएवाई के तहत 20 लाभार्थियों के मकानों का उद्घाटन भी किया।

प्रधानमंत्री ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के साथ आवास योजना के लाभार्थी अंतरजामाई नायक के घर गए और उनके आवास पर तैयार पारंपरिक ओडिया मिठाई खीरी का स्वाद चखा। मोदी ने नायक के घर पर कुछ समय बिताया और उनके बच्चों को आशीर्वाद दिया।

भुवनेश्वर में अपने जन्मदिन के अवसर पर एक आदिवासी परिवार द्वारा खीरी खिलाए जाने के बाद अपना अनुभव साझा करते हुए मोदी ने कहा, ''जब मेरी मां जीवित थीं, तो मैं अपने जन्मदिन पर उनके पास जाकर उनका आशीर्वाद लेता था। वह मुझे गुड़ देती थीं। आज मुझे एक आदिवासी मां का आशीर्वाद मिला, जिन्होंने मुझे खीरी दी। आदिवासियों की खुशी मुझे उनके लिए काम करने की ताकत देती है।''

ओडिशा सरकार की सुभद्रा योजना महिलाओं की आर्थिक सहायता का सबसे बड़ा कार्यक्रम है, जिससे एक करोड़ से अधिक महिलाएं लाभान्वित होंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने योजना शुरू करने के बाद 10 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में धन अंतरण की शुरुआत की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमने चुनाव से पहले जो वादे किए थे, उन्हें तेज गति से पूरा किया जा रहा है। हमने वादे के अनुसार ओडिशा में सत्ता में आने के बाद पुरी के जगन्नाथ मंदिर में रत्न भंडार को खोला।'' केंद्र में राजग की तीसरी सरकार के पहले 100 दिन में गरीबों, किसानों, युवाओं के विकास के लिए तथा महिला सशक्तीकरण के लिए बड़े कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, ''केंद्र में राजग की तीसरी सरकार के पहले 100 दिन में हमने गरीबों के लिए तीन करोड़ पक्के मकान बनाने का फैसला किया।'' मोदी ने कहा कि सरकार ने देश में 75,000 मेडिकल सीट बढ़ाने का फैसला किया है।

उप्र : फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट से पांच लोगों की मौत, 11 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फिरोजाबाद (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में पटाखा गोदाम एवं फैक्टरी में अचानक विस्फोट होने से दो बच्चों और एक महिला सहित पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस मामले में पटाखा निर्माता और उसके दो पुत्रों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

पुलिस के मुताबिक तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने साजिशन विस्फोटक सामग्री का भंडारण किया और हत्या करने के इरादे से उसमें आग लगाई।यह घटना शिकोहाबाद थाना क्षेत्र के नौशहरा इलाके में सोमवार रात हुई। शिकोहाबाद के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रवीण तिवारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''पटाखा गोदाम एवं फैक्टरी में हुए विस्फोट में दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। इस घटना में 11 लोग घायल भी हुए हैं।'' पुलिस में दर्ज कराई गयी प्राथमिकी के अनुसार हादसे में एक भैंस एवं सात बकरियों की भी मौत हो गयी। जिला अस्पताल के अनुसार मृतकों की पहचान मीरा देवी (45), अमन (20), गौतम कुशवाहा (18), कुमारी इच्छा (तीन) और अभिनय (दो) के रूप में हुई है। इच्छा और अभिनय भाई-बहन हैं।

अरुणाचल: एनएससीएन-के उग्रवादी ने असम राइफल्स के समक्ष किया आत्मसमर्पण

ईटानगर/भाषा। प्रतिबंधित संगठन 'नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालिम (एनएससीएन-के)' के खापलांग गुट के एक उग्रवादी ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में असम राइफल्स के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। असम राइफल्स के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि संगठन के एक स्वयंभू 'मेजर' अजेन वांगसू (49) ने असम राइफल्स की खोंसा बटालियन के समक्ष हथियार डाल दिए। लोंगडिंग जिले के नियाउसा गांव का रहने वाला वांगसू पिछले 12 वर्षों से संगठन में था। अधिकारी ने बताया कि वांगसू के म्यांमा में होने की सूचना मिलने पर असम राइफल्स ने उसके परिवार के माध्यम से उससे संपर्क किया और उसे आत्मसमर्पण करने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 सितंबर से अमेरिका का तीन दिवसीय दौरा करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वार्षिक 'क्वाड' शिखर बैठक में शामिल होने और संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'समिट ऑफ द फ्यूचर' को संबोधित करने के लिए 21 सितंबर से अमेरिका का तीन दिवसीय दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि मोदी 21 सितंबर को डेलवेयर के विलमिंगटन में 'क्वाड' नेताओं की शिखर बैठक में शामिल होंगे, जिसकी मेजबानी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन करेंगे।

इस साल क्वाड शिखर बैठक की मेजबानी करने की बारी भारत की थी। मंत्रालय ने कहा, ''इस साल क्वाड शिखर बैठक की मेजबानी करने के अमेरिका के अनुरोध के बाद, भारत 2025 में अगली क्वाड शिखर बैठक की मेजबानी के लिए सहमत हुआ है।'' विदेश मंत्रालय ने कहा, ''क्वाड शिखर बैठक में, (समूह के चारों सदस्य देशों के) नेता पिछले एक साल में क्वाड द्वारा हासिल की गई प्रगति की समीक्षा करेंगे और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों को उनके विकास लक्ष्यों एवं आकांक्षाओं को पूरा करने में सहयोग का एजेंडा तय करेंगे।''

मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में 23 सितंबर को 'समिट ऑफ द फ्यूचर' को संबोधित करेंगे। न्यूयॉर्क में, प्रधानमंत्री 22 सितंबर को भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''प्रधानमंत्री एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और जैव प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच व्यापक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका की प्रमुख कंपनियों के सीईओ के साथ भी बातचीत करेंगे।''

आतिशी 'कठपुतली' मुख्यमंत्री होंगी : राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को दावा किया कि दिल्ली की नई मुख्यमंत्री चुनी गईं आप नेता आतिशी एक 'कठपुतली' मुख्यमंत्री होंगी। आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए आप आदमी पार्टी (आप) नेता दिलीप पांडे ने कहा कि अगर स्वाति मालीवाल को थोड़ी भी शर्म है तो उन्हें उच्च सदन की सीट छोड़ देनी चाहिए।

मंगलवार को विधायक दल की बैठक में आतिशी को सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री पद के लिए चुना गया।

मालीवाल ने कहा, ''आज दिल्ली के लिए बहुत दुखद दिन है। एक महिला दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने जा रही हैं, जिनके परिवार ने आतंकवादी अफजल गुरु को फांसी की सजा से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी थी।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''उनके (आतिशी) माता-पिता ने भारत के राष्ट्रपति को कई बार दया याचिका भेजी कि अफजल गुरु को फांसी न दी जाए, वह निर्दोष है और राजनीतिक साजिश का शिकार हुआ है।'' मालीवाल ने आरोप लगाया, ''आज आतिशी मुख्यमंत्री बनेंगी, लेकिन हम सभी जानते हैं कि वह एक कठपुतली मुख्यमंत्री होंगी।''

खरगे ने राहुल के खिलाफ 'हिंसक बयान' देने वालों पर कानूनी कार्रवाई की प्रधानमंत्री से मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू समेत उन नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए, जिन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ 'आपत्तिजनक एवं हिंसक' बयान दिए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को उनके जन्मदिन पर लिखे पत्र में उन्हें बधाई देने के साथ ही बिट्टू और सत्तापक्ष के कुछ अन्य नेताओं के राहुल गांधी के खिलाफ बयानों का उल्लेख किया और कहा कि ये भविष्य के लिए घातक हैं।

खरगे ने पत्र में कहा, ''सबसे पहले मैं आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई देता हूं। इसके साथ ही ऐसे मुद्दे पर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं जो सीधे लोकतंत्र और संविधान से जुड़े हैं। आप अवगत होंगे कि लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के ख़िलाफ़ बेहद आपत्तिजनक, हिंसक और अशिष्ट बयानों का सिलसिला चल रहा है।'' उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और सहयोगी दलों के नेताओं ने जिस हिंसक भाषा का उपयोग किया है, वह भविष्य के लिए घातक है।

खरगे ने कहा, ''दुनिया हैरान है कि केंद्र सरकार में रेल राज्य मंत्री, भाजपा शासित उत्तर प्रदेश के मंत्री आदि लोक सभा में प्रतिपक्ष के नेता को ''नंबर एक आतंकवादी'' कह रहे हैं। महाराष्ट्र में आपकी सरकार में सहयोगी दल के एक विधायक, नेता प्रतिपक्ष की जुबान काट कर लाने वाले को 11 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा कर रहे हैं। दिल्ली में एक भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक, उनका हश्र दादी जैसा करने की धमकी दे रहे हैं।'' उन्होंने पत्र में इस बात का उल्लेख किया कि भारतीय संस्कृति अहिंसा, सद्भाव और प्रेम के लिए विश्व भर में जानी जाती है।

मायावती ने केजरीवाल के इस्तीफे पर कहा: यह राजनीतिक पैंतरेबाजी है

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा देने को 'राजनीतिक पैंतरेबाजी' करार दिया। मायवती ने कहा कि केजरीवाल का यह फैसला जनहित और जनकल्याण से दूर एक चुनावी चाल है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''अरविन्द केजरीवाल द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से अब इस्तीफा देना वास्तव में जनहित/जनकल्याण से दूर इनकी चुनावी चाल एवं राजनीतिक पैंतरेबाजी है। लम्बे समय तक जेल में उनके रहने के कारण दिल्ली की जनता ने जो अनगिनत असुविधाएं एवं समस्याएं झेलीं हैं उसका क्या? उसका हिसाब कौन देगा?'' उन्होंने कहा,''सत्ता एवं विपक्ष के बीच राजनीतिक लड़ाई शत्रुता स्तर तक कटु नहीं हो तो बेहतर है ताकि उससे देश एवं जनहित प्रभावित न हो। बसपा की उत्तर प्रदेश सरकार को भी ऐसे दिन देखने पड़े जब केन्द्र की कांग्रेसी सरकार ने जेवर एयरपोर्ट एवं गंगा एक्सप्रेस-वे पर भी रोड़े अटकाए और जनहित एवं विकास को बाधित किया।''

एक आईटी इंजीनियर ने अपने दोस्तों के संग मिलकर रचा अपहरण का स्वांग, तीन गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। नोएडा के एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र में कथित रूप से अपने अपहरण का स्वांग रचने वाले एक आईटी इंजीनियर को मंगलवार को उसके दो दोस्तों के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि एक आईटी कंपनी में इंजीनियर के रूप में काम करने वाले युवक शुभम गौर के मोबाइल फोन से उसके परिजनों को तीन दिन पूर्व फोन आया कि उसका मेवाती गैंग ने अपहरण कर लिया है तथा कथित अपहर्ताओं ने 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी। मिश्र ने बताया कि शुभम के परिजनों ने फिरौती देने से इनकार किया तथा इसकी सूचना पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जब मामले की जांच की तो शुभम का ठिकाना हरियाणा के रेवाड़ी रेलवे स्टेशन आया और फिर वहां से पुलिस ने उसे बरामद किया।

अपर पुलिस आयुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि शुभम ने अपने परिजनों से मोटी रकम फिरौती के रूप में वसूलने की नीयत से अपने दो साथियों--अंकित और संदीप के साथ मिलकर अपने अपहरण की झूठी कहानी रची थी। पुलिस का कहना है कि शुभम के पिता का केबल नेटवर्क का कारोबार है, जबकि उसके चाचा का रेस्टोरेंट है और उसके दादा रजिस्ट्रार के पद से सेवानिवृत हुए हैं। वह घर में इकलौता बेटा है।

पिछले डेढ़ साल में विकास की गति धीमी पड़ी, बर्बाद हुए समय की भरपाई करनी होगी : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मंगलवार को कहा कि जातीय हिंसा से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य में पिछले डेढ़ साल में विकास की गति धीमी पड़ गई। उन्होंने स्थिति में सुधार के मद्देनजर लोगों से बर्बाद हुए समय की भरपाई करने की अपील की।

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरुआत के मौके पर संवाददाताओं से मुखातिब सिंह ने कहा, (विकास की गति में आई) यह कमी दुर्भाग्यपूर्ण है। अब जबकि स्थिति में सुधार हुआ है, तो हमें न केवल जातीय संकट से संबंधित मौजूदा समस्याओं को हल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, बल्कि विकास को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। हमें बर्बाद हुए समय की भरपाई करनी होगी। मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि हालिया हिंसा से स्टार्टअप, आत्मनिर्भरता, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई), व्यापार सहायता योजना, खेल, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में विकास की गति धीमी पड़ गई है। उन्होंने विकास की पुरानी गति को फिर से हासिल करने के लिए विशेष रूप से कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, बागवानी और हथकरघा क्षेत्रों में आर्थिक पुनरुद्धार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सिंह ने भरोसा जताया कि संकट का समाधान निकलेगा और सरकार एवं जनता दोनों इस दिशा में काम करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार इंफाल में कंक्रीट की सड़कें बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिससे बारिश से सड़कों को नुकसान पहुंचने से रोका जा सकेगा।

प्रदर्शनकारी चिकित्सकों के साथ ममता की बैठक के बाद बंगाल में पुलिस, स्वास्थ्य विभागों में फेरबदल

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने आंदोलनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों के साथ अपनी बैठक के एक दिन बाद, स्वास्थ्य और पुलिस विभागों में मंगलवार को फेरबदल किया। वरिष्ठ आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी मनोज कुमार वर्मा को विनीत गोयल की जगह कोलकाता का नया पुलिस आयुक्त बनाया गया। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई।

आरजी कर अस्पताल में एक चिकित्सक से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले से निपटने को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे गोयल को हटाने की घोषणा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार रात प्रदर्शनकारी चिकित्सकों के साथ बैठक के बाद की थी। गोयल 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्हें पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) तथा पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बनाया गया था। आंदोलनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों में से एक ने कहा कि उन्होंने सरकार का आदेश देखा है और अपनी बैठक करने के बाद आगे की रणनीति की घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा, ''हमारी एक बैठक होगी और फिर हम इस बारे में निर्णय लेंगे कि क्या आगे भी काम बंद रखा जाए।''

बंगाल में बाढ़ जैसे हालात के बीच डीवीसी ने बांधों से पानी छोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति के और बिगड़ने की आशंका है, क्योंकि दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के बांधों से छोड़े जाने वाले पानी में बहुत कम समयावधि में तेजी आयी है। अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

डीवीसी ने बताया कि इसने सोमवार रात साढ़े 11 बजे पंचेत एवं मैथन बांधों से 90 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा है। मंगलवार को सुबह 6:54 बजे तक छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा बढ़कर 2.1 लाख क्यूसेक हो गई, जिससे पता चलता है कि केवल सात घंटों में ही इसमें काफी तेजी आयी है। डीवीसी अधिकारियों ने बताया कि सुबह 8:31 बजे तक मात्र डेढ़ घंटे में 40 हजार क्यूसेक बढ़कर पानी की मात्रा ढाई लाख क्यूसेक हो गयी।

पानी छोड़े जाने के बाद डीवीसी ने 'रेड अलर्ट' जारी किया। उसने बताया कि ऊपर से पानी का प्रवाह अधिक होने के कारण पानी का बहाव बढ़ गया।

नए कोचिंग स्टाफ की शैली द्रविड़ की तुलना में अलग है लेकिन यह कोई समस्या नहीं है : रोहित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर की शैली उनके पूर्ववर्ती राहुल द्रविड़ से अलग है लेकिन नये कोच के साथ उनका तालमेल अच्छा है।

विश्व कप विजेता पूर्व सलामी बल्लेबाज गंभीर ने जुलाई में श्रीलंका के सीमित ओवर के दौरों से भारतीय टीम की कमान संभाली थी। बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही दो मैचों श्रृंखला में वह पहली बार टेस्ट टीम का मार्गदर्शन करेंगे। गंभीर की देखरेख में भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में सूपड़ा साफ किया था जबकि एकदिवसीय श्रृंखला में टीम को 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। रोहित ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जाहिर तौर पर राहुल भाई, विक्रम राठौड़ और पारस महाम्ब्रे एक अलग टीम थे। हमें पता है कि नया सहयोगी स्टाफ अलग दृष्टिकोण लाएगा।'' उन्होंने कहा, '' श्रीलंका में हमने (नए स्टाफ के साथ) जो मैच खेले, वे चीजों को समझते हैं और उन्हें तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं है। वह टीम के माहौल में ढलने लगे हैं।'' द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद खत्म हुआ था। भारतीय टीम अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गये इस विश्व कप की चैम्पियन बनीं थी। द्रविड़ अब आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स का मार्गदर्शन करेंगे। बल्लेबाजी कोच राठौड़ और गेंदबाजी को महाम्ब्रे की जगह क्रमश: अभिषेक नायर (सहायक कोच) और दक्षिण अफ्रीका के मोर्ने मोर्कल ने ले ली है। नीदरलैंड के पूर्व हरफमौला रियान टेन डोएशे भी टीम के साथ सहायक कोच के तौर पर जुड़े हैं। रोहित भारतीय टीम में गंभीर के साथ खेल चुके हैं। वह और नायर घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक मुंबई के लिए एक साथ खेले हैं। रोहित ने कहा, ''यह निश्चित रूप से एक नया (सहायक) स्टाफ है, लेकिन मैं गौतम गंभीर और अभिषेक नायर को काफी लंबे समय से जानता हूं। हर किसी की काम करने की अपनी शैली होती है और हम पहले से इस बात को समझते हैं।'' रोहित ने कहा, ''मैंने अपने करियर के 17 वर्षों में विभिन्न कोच के साथ काम किया है, और यह समझना महत्वपूर्ण है कि उन सभी का (क्रिकेट के बारे में) एक अनूठा दृष्टिकोण है, और यह जरूरी है कि आप उनके साथ तालमेल बिठाएं।''

'बुलडोजर न्याय' पर न्यायालय का निर्देश 'नफरती मुख्यमंत्रियों' के मुंह पर करारा तमाचा: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने आपराधिक मामलों में आरोपियों की संपत्ति को ध्वस्त नहीं करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के निर्देश का स्वागत करते हुए मंगलवार को कहा कि यह उन 'नफरती मुख्यमंत्रियों' के मुंह पर करारा तमाचा है जो 'बुलडोजर न्याय' को बढ़ावा दे रहे हैं।

पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भाजपा शासित कुछ दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बुलडोज़र का सहारा लेकर नफ़रत फैलाना बंद करना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने समूचे देश में प्राधिकारियों को उसकी इजाजत के बिना आपराधिक मामलों में आरोपियों की संपत्ति को ध्वस्त नहीं करने का निर्देश देते हुए मंगलवार को कहा कि अगर अवैध रूप से ध्वस्तीकरण का एक भी मामला है तो यह हमारे संविधान के मूल्यों के विरुद्ध है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने स्पष्ट किया उसका आदेश सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों आदि पर बने अनधिकृत ढांचों पर लागू नहीं होगा। सुप्रिया श्रीनेत ने वीडियो जारी कर कहा, ''उच्चतम न्यायालय का फैसला उन सब नफरती मुख्यमंत्रियों के मुंह पर करारा तमाचा है जो न्यायपालिका पर ताला लगाकर बुलडोजर न्याय को बढ़ावा देना चाहते थे। बुलडोजर का मतलब है कि आपका पुलिस प्रशासन फेल हो चुका है और आप न्यायापालिका पर ताला लगाना चाहते हैं। बुलडोजर अब नफरत, हिंसा और राजनीतिक प्रतिशोध का प्रतीक बन चुका है। एक समुदाय के खिलाफ नफरत की आंधी को भड़काने के लिए बुलडोजर चलाया जाता है।'' सुप्रिया का कहना है कि यह अच्छा फैसला है और उनकी पार्टी इसका स्वागत करती है।

सुविचार

जीवन में सबसे महत्वपूर्ण वस्तुओं को खो देने के बाद हम उनका महत्व समझते हैं!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अपना रिकॉर्ड देखें खामेनेई

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर की गई टिप्पणी वास्तविकता से परे है। ऐसा प्रतीत होता है कि या तो खामेनेई को भारत के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है, उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित बातों के आधार पर जो कुछ लिखकर दे दिया, उसे ही बांच दिया, या वे भारत के साथ संबंधों को खराब करना चाहते हैं। खामेनेई बहुत अनुभवी राजनेता हैं। उनसे इस किस्म की टिप्पणी की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने गाजा और म्यांमार में अल्पसंख्यकों की स्थिति के साथ भारत का जिक्र किया! खामेनेई कहां की बात कहां जोड़ रहे हैं? भारत में अल्पसंख्यकों को समान अधिकार प्राप्त हैं। उन्होंने हर क्षेत्र में शीर्ष पद पर सेवाएं देकर देश को गौरवान्वित किया है। खामेनेई ऐसा कोई एक उदाहरण ईरान में दिखा दें। अगर वे अल्पसंख्यकों द्वारा झेली जा रही कथित पीड़ा की बात कर रहे हैं तो पहले अपना रिकॉर्ड क्यों नहीं देखते? महसा अमीनी की हत्या कहां हुई थी और क्यों हुई थी? उसके बाद जिस तरह आक्रोश फूटा, उसे दबाने के लिए खामेनेई ने क्या किया था? उस आंदोलन में सैकड़ों महिलाओं की मौत का जिम्मेदार कौन था? खामेनेई साहब शुक्र मनाएं कि आम जनता ने उनकी वृद्धावस्था का ख़याल रखा। अगर वह आंदोलन और उग्र हो जाता तो उन्हें किसी अन्य देश से शरण मांगनी पड़ती। यहां ईरान और ईरानी नेतृत्व को एकसाथ जोड़कर नहीं देखना चाहिए। आम ईरानी के मन में भारत के प्रति बहुत सम्मान की भावना होती है। वह खामेनेई और उनके जी-हुजूरियों से उकता गया है। वहां मानवाधिकारों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। जो लोग सरकार के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन्हें किसी-न-किसी आरोप में या तो लंबी अवधि के लिए जेल भेज दिया जाता है या फांसी दे दी जाती है। खामेनेई पर अपने कई विरोधियों का खात्मा करवाने के गंभीर आरोप लग चुके हैं।

सवाल है- आखिर खामेनेई को यह क्या सूझी कि उन्होंने भारत पर निशाना साधा? ऐसी क्या तरंग उठी कि अपने नागरिकों की पीड़ा महसूस नहीं हुई, लेकिन भारत के आंतरिक मामलों में टांग अड़ा बैठे? वास्तव में यह ईरानी राजनीति का एक ऐसा नुस्खा है, जिसे उसके शीर्ष नेता आजमाते रहते हैं। यह देश विभिन्न प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। इसकी आर्थिक हालत खस्ता है। तेल और गैस का भंडार होने के बावजूद कोई खास फायदा नहीं मिल रहा है। मुद्रा का भारी अवमूल्यन हो चुका है। महंगाई आसमान छू रही है। इंटरनेट पर कई तरह की पाबंदियां लगा रखी हैं, लेकिन युवा पीढ़ी किसी-न-किसी तरीके से 'प्रतिबंधित' सामग्री देख-सुन रही है। ईरान में अखबार सरकारी भोंपू बने हुए हैं। उनके पन्ने पश्चिमी देशों के विरोध और आत्मप्रशंसा से रंगे हुए हैं। यह सिलसिला दशकों से चला आ रहा है। ईरानी नेतृत्व को पता है कि अगर उसे सत्ता पर पकड़ मजबूत रखनी है तो समय-समय पर कोई शिगूफा छोड़ते रहना जरूरी है, जिससे लोगों का ध्यान राष्ट्रीय समस्याओं की ओर न जाए, बल्कि वे उसके सुर में सुर मिलाएं। खामेनेई चाहते हैं कि माहौल को गरम रखा जाए। पहले, हमास-इजराइल के मुद्दे को खूब भुनाया। ईरान के सभी अखबार हमास का 'गुणगान' कर रहे थे। उस लड़ाई को एक साल होने जा रहा है। खामेनेई ने उससे अपनी सियासत चमकाई, लेकिन गाजा में हजारों लोग मारे गए। उनमें ज्यादातर आम लोग थे। खामेनेई हमास के राजनीतिक ब्यूरो प्रमुख इस्माइल हानिया तक को नहीं बचा सके। वे उम्र के जिस पड़ाव में हैं, वहां आमतौर पर नेतागण सक्रिय राजनीति से अलग हो जाते हैं, जबकि ईरान के ये सर्वोच्च नेता इस्लामी देशों का नेतृत्व करने की गहरी इच्छा रखते हैं। वहां प्रतिद्वंद्विता सऊदी अरब और तुर्किये से है। लिहाजा वे ऐसे बयान दे रहे हैं, जो उन्हें सुर्खियों में रखें तथा लोग वाहवाही करें। क्या ही अच्छा होता अगर खामेनेई उन महिलाओं के सम्मान में भी दो शब्द बोल देते, जो ईरान में सरकारी जुल्म व ज्यादती की शिकार हो गईं! इसी रवैए के लिए कहा गया है- 'डूंगर बळती दीखै, पगां बळती कोनी दीखै'।

ट्वीटर टॉक

अपने अथक परिश्रम, साधना व दूरदर्शिता से देशवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाले और भारत का गौरव बढ़ाकर विश्व में नई प्रतिष्ठा दिलाने वाले जनप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

-अमित शाह

आज नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 'सेवा दिवस' के क्रम में 'रक्तदान शिविर' का शुभारंभ किया और मोदी जी के जीवन पर केंद्रित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

-जेपी नड्डा

आज का दिन इसीलिए भी ख़ास हैं क्योंकि प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर भगवान विश्वकर्मा जयंती के साथ आज ही 'मोदी 3.0' के 100 दिवस पूर्ण हो रहे हैं। मोदी जी के नेतृत्व में सभी वर्गों का समावेशी, सर्वस्पर्शी विकास सुनिश्चित हो रहा है।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

नियति का सत्य

एक बार एक मुनिवर अपने अनुयायियों को प्रवचन दे रहे थे तभी एक शिष्य ने मुनिवर से प्रश्न किया कि गुरुवार सत्य क्या है? मैं बहुत समय से इस सोच में उलझा हुआ हूं और निश्चय ही नहीं कर पा रहा हूं कि सत्य क्या है? मुनिवर ने उन्हें समझाते हुए कहा कि हे शिष्य! जैसे एक ही डाली पर खिले दो पुष्पों में से एक को स्थान मिलता है भगवान की पूजा वाली थाली में तो दूसरे को स्थान मिलता है अर्थी वाली थाली में। ऐसे ही एक मेघ से गिरी दो बूंदों में से एक तो 'सीप' में गिरकर मोती बन जाती है और दूसरी अंगार पर गिरकर 'भस्म' हो जाती है। यह सब निर्भर करता है कि किसको कैसी 'परिस्थिति' मिली है। अनुकूल स्थितियां ही सही मंजिल तक पहुंच पाती हैं यही 'अटूट सत्य' है। अतः सर्वदा अच्छे व सदाचारी व्यक्ति की संगत रखनी चाहिए।

सामयिक

श्रद्धा से किया जाने वाला पितृसंबंधी दानकर्म है श्राद्ध

अशोक प्रवृद्ध

भारतीय परंपरा में मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण माने गए पंच महायज्ञों में ब्रह्मयज्ञ (स्वाध्याय), पितृयज्ञ (तर्पण), देवयज्ञ (होम/हवन), बलि वैश्वदेव (भूतयज्ञ)और नृयज्ञ (अतिथि पूजन) में दूसरे स्थान पर पितृयज्ञ शामिल है। पितृयज्ञ तर्पण का ही अवान्तर भेद श्राद्ध है। भूख-प्यास आदि से होने वाले दुःख की निवृत्तिरूप तृप्ति अथवा प्रसन्नता, मन में पूरा सन्तोष अथवा आनन्दरूप को तर्पण कहा जाता है। और जिस कर्म विशेष के द्वारा अन्न से तृप्त हुए जन क्षुधा से होने वाले दुःख से निवृत्त होते हैं, श्रद्धा कहा जाता है। श्रद्धापूर्वक दिये जाने वाले अन्न का नाम श्राद्ध है। श्रद्धापूर्वक बनाये अन्न का खाने वाला श्राद्धभोजी होता है। इसलिए पाणिनी सूत्र में श्राद्धमनेन भुक्तमिनिठनौ कहा गया है। जिसने श्राद्ध का भोजन किया हो, वह श्राद्धी अथवा श्राद्धिक कहा जाता है। यहां भक्ति श्रद्धा से पकाये हुए अन्न का नाम श्राद्ध है। इससे यह सिद्ध है कि भोजन से होने वाले सत्काररूप कर्म का नाम श्राद्ध है। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि भोजन से होने वाले सत्कार कर्म और उस सत्कार के लिए श्रद्धा से बनाए अन्न का नाम श्राद्ध है। श्रद्धा से दिए जाने वाले इस पितृ संबंधी दानकर्म को श्राद्ध कहते हैं।

सामान्यतः पिता शब्द से उत्पादक का अर्थ लिया जाता है, परंतु भारतीय परंपरा में उत्पादक के साथ ही यज्ञोपवीत कराने वाला, विद्यादाता, अन्नदाता और भय से बचाने वाला, ये पांच पिता माने गये हैं। इस प्रकार पितृ शब्द योगरूढ़ है और अपने उत्पादक पिता में रूढ़ि भी है। अन्य लौकिक व्यवहार में पिता शब्द से प्रकरणानुसार जनक, यज्ञोपवीत कराने, अन्न देने अथवा भय से बचाने वाले का ग्रहण होता है। परंतु श्राद्ध कर्म में विशेष कर पितृ शब्द से विद्यादाता का ग्रहण होता है। अपने उत्पादक पिता की सेवा-शुश्रूषा तो सबको सदैव करनी ही चाहिए। ऐसा नहीं करने वाला कृतघ्न होता है। ज्ञान व विद्या देने वाले ज्ञानी पिता का भी भोजनादि से प्रतिदिन सत्कार करना ही श्राद्ध है। अपने जनक और अन्य यज्ञोपवीत कराने वाले आदि की सेवा को सामान्य प्रकार से तर्पण कहते हैं। श्राद्ध कर्म में पूजने योग्य दो ही हैं- पितृ और देव। वाणी के कर्म में प्रवीण, पढ़ाने व उपदेश करने में सदा प्रवृत अर्थात पढ़ाने और उपदेशादि वाणी के कर्म द्वारा विद्या का प्रचार करके जगत का उपकार करने के लिए प्रतिक्षण प्रवृत्त होने वाले देवता कहाते हैं। मनुस्मृति के अनुसार मानसकर्म ज्ञान में सदा रमण करने, अपने मन ही मन में शुद्ध आनन्द की लहरियों का अनुभव करने, सदा अच्छे-बुरे का विवेक करने, बहुत कम नियम से बोलने अथवा वाणी को वश में करके मौन रहने, विषय पर सम्यक अनुभव कर उसके प्रचार से जगत का उपकार करने, उस विषय को पुस्तकादि द्वारा सरल कर प्रचलित करने वाले पितर हैं। वेदविद्या का दान देने से आचार्य, गुरु को पिता कहते हैं। अज्ञानी को बालक और ज्ञानी को पिता कहते हैं। शतपथ ब्राह्मण के अनुसार जिनमें वाणी के कठोर, मिथ्याभाषण, चुगली और असम्बद्ध बोलना रूप चार दोष न हों, और सत्य भाषण, हितकारी वाक्य संभाषण, प्रियवाणी बोलना और वेदादिशास्त्र पढ़ने आदि चार प्रसंगों में वाणी का व्यय करना, किन्तु क्रोधादि पूर्वक नहीं बोलना आदि गुण मौजूद हों, वे देव हैं। और मानस विचार में तत्पर रहने वाले अर्थात मन के तीन दोष - परद्रव्यापहरण (अन्य के वस्तु को लेने की तृष्णा), दूसरों के प्रति अनिष्ट विचार और असम्भव विचार संबंधी दोष जिनमें न हों तथा मानस तीन गुण- सब प्राणियों पर दया, निरपेक्ष व सन्तोष और शुभकर्मों अथवा परमात्मा की उपासनादि में श्रद्धाभक्ति जिनमें विशेष कर हों वे पितर कहाते हैं।

स्पष्ट है कि वाचिक पापों से रहित और वाचिक पुण्य करने में विशेष कर प्रवृत्त देव, तथा मानस पापों से रहित, मानस पुण्य करने में अधिक कर प्रवृत्त पितृ कहाते हैं। जिनकी वाणी सब प्रकार शुद्ध है, वे देव और जिनका मन सब प्रकार शुद्ध है, वे पितृ लोग कहाते हैं। मानस विचार की रक्षा वाणी से होती है, इसी कारण पितृ कार्य का रक्षक देवकार्य को माना है। तथा देव को ऋषि और पितृ को मुनि। जहां देव, ऋषि, पितृ, सब आते हैं, वहां ऋषि पद वाच्य ब्रह्मचर्याश्रमस्थ वेदाध्येता तपस्वी अन्तेवासी शिष्य लिए जाएंगे। मनुस्मृति के अनुसार सत्त्वगुण की प्रधानता होने से बुद्धिवर्द्धक तथा खाने योग्य कव्यपदार्थ ही प्रयत्न के साथ ज्ञानियों को खिलाना चाहिए। और होमने योग्य वस्तु चारों प्रकार के विद्वानों को खिलाना चाहिए। इसी कारण उपनिषदों में भी आत्मज्ञानी की पूजा करने का निर्देश दिया गया है। इससे ज्ञानी लोगों का ही सत्कार करने की बात सिद्ध होती है। सत्य-असत्य का विवेक करने वाले ज्ञानी जनों की सम्यक श्रद्धा, भक्ति से सेवा करने वाले सेवकों पर वे प्रसन्न होकर कल्याण करने के लिए मन लगाते हैं। और श्रेष्ठमार्ग का उपदेश करते अथवा संकेतमात्र से जता देते हैं कि यह काम ऐसे करना चाहिए और यह न करना चाहिए। इसी कारण ज्ञाननिष्ठ पितृजनों के सेवक भी कल्याणभागी होते हैं। इसी से ज्ञानयुक्त पितृजनों की अन्नादि दान से श्रद्धापूर्वक सेवा-शुश्रूषा करनी चाहिए। सब सत्कारों में भोजनार्थ अन्न से सत्कार करना ही सबमें मुख्य है। वैदिक मतानुसार प्राणियों का प्राण अन्न के ही आश्रय है। और भोजन से ही इस शरीर की उत्पत्ति, स्थिति और नाश हो सकता है। सात्त्विक- सत्त्वगुण का बढ़ाने वाला आहार मिलने पर शरीर निरोग और सत्त्वगुण वाली प्रबल बुद्धि होती है, इसी से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की सिद्धि है। वस्त्र और भूषण आदि सुख के साधनों के न मिलने पर भी केवल अन्न और जल के आश्रय से शरीर ठहर सकता है, परंतु अन्न-जल न मिलने पर अत्यंत समृद्ध धनी होने अथवा सब पृथ्वी का राज्य मिल जाने पर भी शरीर की स्थिति नहीं रह सकती। इससे तर्पण और श्राद्ध में अन्न-जलों से सत्कार करना मुख्य है। अत्यंत प्राचीन काल से ही विद्वानों के मध्य यही परिपाटी चली आ रही है। लेकिन कालांतर में यह परंपरा लुप्त हो गई और मरे हुओं के नाम से पिण्ड देने की नई अवैदिक परंपरा चल पड़ी। पौराणिक ग्रंथों में इन अवैदिक चलन को बढ़ावा दिया गया। इसलिए भोजन से ज्ञानी पितृ लोगों का श्राद्ध करना अत्यन्त उचित है। श्राद्ध नित्यकर्म और नैमित्तिक दोनों प्रकार का हो सकता है। विधि आज्ञा के अनुसार मनुष्य को नित्य श्राद्ध करना चाहिए। मनुस्मृति में कहा गया है कि- नित्य अन्न, जल, दूध व खीर, फल और कन्द मूलों से पितृ- नाम ज्ञानी पुरुषों का प्रीतिपूर्वक श्रद्धा से सत्कार करना चाहिए। यहाँ नित्यकर्म श्राद्ध के विधान में भोजन के पदार्थ गिनाये हैं। इनमें मांस अभक्ष्य होने से नहीं रखा गया। श्राद्ध में मांस पूर्णतः निषेध है। पंच महायज्ञ सामान्य कर नित्यकर्म हैं, उनके अन्तर्गत होने से भी श्राद्ध नित्यकर्म सिद्ध होता है, यह सब कथन उत्सर्गरूप से है। और अपवादरूप से श्राद्ध नैमित्तिक भी है। अर्थात जो कोई प्रतिदिन भोजनादि सत्कार के साधनों के न मिल सकने से श्राद्ध नहीं कर सकता। अथवा जिसको सत्कार के योग्य पितृजन नित्य-नित्य नहीं प्राप्त होते, उसको साधनों के मिलने और पूज्य पितृजनों की प्राप्ति होने पर श्राद्ध करना चाहिए। सत्कार के योग्य पितृजनों के संबंध में कहा गया है- अज्ञो भवति वै बालः पिता भवति मन्त्रदः। अर्थात -ज्ञानवृद्ध का नाम पिता है, किन्तु अवस्थावृद्ध का नाम नहीं।

प्राचीन काल में नैमित्तिक श्राद्ध के लिए हमारे पूर्वजों ने समय नियत किया था। इसी कारण पाणिनी ने अपने सूत्र में कहा है- श्राद्धे शरदः। अर्थात -ऋतुवाचक शरद शब्द से श्राद्ध अर्थ में ठञ प्रत्यय होता है। यद्यपि शरद ऋतु में अनेक सामान्य अथवा विशेष कार्य होते हैं, तथापि शरद ऋतु में हुए अथवा होने वाले श्राद्ध का ही नाम शारदिक होता है, शरद ऋतु के अन्य कामों को शारद कहा जाता है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि शरद ऋतु में ही श्राद्ध किया जाये अन्य में न किया जाय अथवा अन्य ऋतु में श्राद्ध नहीं होता। साधनों के ठीक-ठीक न मिलने आदि पर श्राद्ध का नैमित्तिक करना कहा गया है। भोजन करने योग्य वस्तु- खोया, बरफी और रबड़ी, खीर आदि अनेक प्रकार के मीठे अथवा दही, मठा, शिखरन आदि सर्वोपरि उत्तम पदार्थ दूध से बनते हैं। और वर्षा ऋतु के होने से गौ आदि पशुओं के भोजन घासादि मुख्य कर उसी समय अथवा उससे कुछ पहले अवश्य उत्पन्न होते हैं। पशुओं के भक्ष्य घासादि की अधिकता से दूध अधिकतर उत्पन्न होता है। इस कारण खीर आदि वस्तु सुगमता से प्राप्त हो सकते है। श्राद्ध में खीर आदि पुष्ट वस्तुओं का प्रायः विधान किया है। अन्नों के बीच उत्तम चावल मुख्य माने गये हैं। वे भी वर्षा की अधिकता से शरद ऋतु में ही उत्पन्न होते हैं। इसी कारण आश्विन (क्वार) के महीने में पूर्वकाल से नैमित्तिक श्राद्ध की परिपाटी चलाई गई थी। यह सत्य परम्परा अब नष्ट हो गई है, अर्थात वह श्राद्ध जिस उद्देश्य से पहले चलाया गया था, वैसा उद्देश्य अब नहीं रहा। अब कोई वैसे ज्ञानी लोगों को श्राद्ध के लिए न खोजता और न परीक्षा करता और न उसके मुख्य प्रयोजन को समझ कर श्राद्ध करता है। अब अधिकतर इसके ठीक विपरीत होता है।

मुद्दा

नेता चुनाव में मस्त : दालों के भावों से लोग पस्त

बाल मुकुन्द ओझा

महंगाई के पंख लगने के बाद दालें लोगों की पहुंच से दूर हो गई हैं। हालत यह है कि दालों को खाना अब लोगों के बस की बात नहीं रही। हर दाल के दाम आसमान छू रहे हैं। दालें रसोई से छिटक चुकी है और गरीब की थाली से भी दूर हो गयी है। दाल न सिर्फ हमारे शरीर में जरूरी विटामिन और मिनरल की आपूर्ति करती है बल्कि हमें तंदरुस्त बनाए रखने में भी मदद कर सकती हैं। खुदरा विक्रेता रोजमर्रा की चीजें काफी महंगे भावों में बेच रहे है तो दालें भी हमारे से दूर होती जा रही है। लगता है सरकार का इन पर कोई अंकुश नहीं है। दालें महँगी होने के साथ मिलावटी भी देखी जा रही है। हमारे जीवन में मसालों और दालों का बहुत महत्त्व है। अमूमन प्रत्येक घर में रोजाना दाल बनती है। जिसे बच्चे से बुजुर्ग तक बड़े चाव से सेवन करते है। लंच हो या फिर रात का डिनर। दाल के बिना खाना कुछ अधूरा सा लगता है और दाल में भी मूंग, उड़द, अरहर और मसूर की दाल को सबसे पौष्टिक माना जाता है। दाल कभी आम लोगों का सहारा थी। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार दाल-रोटी खाकर अपना गुजारा कर लेता था, मगर अब ऐसा नहीं है। महंगाई की मार दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। सब्जियों के भाव आसमान छू रहे हैं। अरहर, मूंग, मसूर और उड़द की दालों के दाम एक सौ से डेढ़ सौ रूपये किलो पहुँच गए है। अरहर दाल की कीमत एक माह में 25 प्रतिशत तक बढ़ गयी। दैनिक जीवन में हम तरह की दालों का सेवन करते हैं। दाल प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत माना जाता है। दाल को स्वास्थ्यवर्धक माना गया है। चिकित्सकों के अनुसार छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और विभिन्न बीमारियों के दौरान मरीजों को दाल का पानी पीने की सलाह दी जाती है।

हमारे नेता और राजनीतिक पार्टियां इस समय हरियाणा सहित कुछ राज्यों में आगामी दिनों में होने जारहे चुनावी जंग में व्यस्त है वहीं महंगाई की मार आम लोगों पर भारी पड़ रही है। रसोई में इस्तेमाल होने वाले सभी खाद्य पदार्थों के रेट में दिन-ब-दिन बढ़ोतरी हो रही है। कोरोना के बाद दालों और खाने के तेल की कीमतों में जो उबाल आया है उस पर आजतक काबू नहीं पाया जा सका है। पेट्रोल डीज़ल के भाव कम होने का नाम नहीं ले रहे है। दालों ने रसोई का बजट बिगाड़कर रख दिया है। दालों के भाव आसमान को छू रहे है।

सभी प्रकार की दालें 100 रूपये प्रति किलो से पार हो रही है। वर्तमान में अरहर दाल 170-180 रूपये, चना दाल 90-100, मूंग दाल 110-120, मसूर दाल 110-130, उड़द दाल 120-130, प्रतिकिलो बेची जा रहा है। महंगाई की हालत ऐसी हो गई है कि अब बिना छौंके वाली दाल खाने की आदत डालनी पड़ेगी। महंगी दालों और मसालों ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। दाल कभी आम लोगों का सहारा थी। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार दाल-रोटी खाकर अपना गुजारा कर लेता था, मगर अब ऐसा नहीं है। महंगाई की मार दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। सब्जियों के भाव आसमान छू रहे हैं। अरहर, मूंग, मसूर और उड़द की दालों के दाम एक सौ से 180 रूपये किलो तक पहुँच गए है। अरहर दाल की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही है। अरहर की दाल का सभी मंडियों में एक ही भाव होता है, क्योंकि यह दाल लोगों द्वारा अधिक पसंद की जाती है।

मूंग और चने के दामों में तेजी देखी गई है। मसूर की कीमतें भी आवक की कमी के कारण बढ़ीं हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात में तुवर की फसल को बरसात से नुकसान हुआ है। छावनी अनाज मंडी में नए मूंग की आवक शुरू हुई, लेकिन नमी अधिक है। दूसरी तरफ उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को उम्मीद है कि जनवरी 2025 की शुरुआत तक दालों की कीमतों में काफी गिरावट आ सकती है जिससे फूड महंगाई कम होने से उपभोक्ताओं पर बोझ कम होगा। सब ज्यादा महँगी अरहर दाल की कीमत घटकर 120 प्रति किलोग्राम हो जाएगी। उड़द और मूंग दाल की कीमतों में भी गिरावट आने की उम्मीद है।

नजरिया

'एक देश एक चुनाव' अमृतकाल की अमृत उपलब्धि बने

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी ने 'एक देश एक चुनाव' के अपने चुनौतीपूर्ण संकल्प को लागू करने की बात कहकर राजनीतिक चर्चा को गरमा दिया है। भारत के लोकतंत्र की मजबूती एवं चुनावी प्रक्रिया को अधिक प्रासंगिक एवं कम खर्चीला बनाने के लिये 'एक देश एक चुनाव' पर चर्चा होती रही है। इसको लेकर भाजपा जिस तरह बेझिझक होकर तेजी से आगे बढ़ रही है, उससे अंदाजा लगाया जा रहा कि केंद्र को सहयोगी दलों का पूरा समर्थन मिल रहा। दो बड़े दलों में से एक जेडीयू ने मोदी के एक देश एक चुनाव' वाले इरादे पर सहमति जता दी है। कहा गया कि राजग सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल के भीतर इस महत्वपूर्ण चुनाव सुधार को लागू कराने को लेकर आशावादी है और उसके इस आशावाद में देश को एक नई दिशा मिल सकेगी। भारत की वर्तमान चुनावी प्रणाली में निहित कई चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा एक संभावित समाधान के रूप में उभरी है। शासन के सभी स्तरों- पंचायत, नगरपालिका, राज्य और राष्ट्रीय- में एक साथ चुनाव कराने से लागत (खर्च)-प्रभावशीलता और प्रशासनिक दक्षता से लेकर बेहतर शासन और नीति निरंतरता तक कई लाभ मिल सकते हैं। यह नये भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत के संकल्प को आकार देने का मुख्य आधार बन सकता है एवं आजादी के अमृतकाल की एक अमृत उपलब्धि बनकर सामने आ सकता है।

भले ही स्पष्ट बहुमत के अभाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग की तीसरी पारी में बदलावकारी फैसले लेना उतना सहज नहीं रह गया है, जितना पहली-दूसरी पारी में नजर आता था। लेकिन भाजपा की सरकार इतनी भी कमजोर नहीं है कि अपने चुनावी वायदों एवं विकासमूलक कार्ययोजनाओं को लागू न कर सके। नरेन्द्र मोदी जैसा साहसी एवं करिश्माई नेतृत्व है तो उसके द्वारा देशहित की योजनाओं में आने वाले अवरोध वह दूर कर ही लेंगे। एक दशक की विकासमूलक कार्यशैली के बाद अब भी भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर अपनी योजनाओं को अंजाम तक पहुंचाने में जुटी है। भले ही भाजपा-सरकार कई मुद्दों पर यू टर्न लेते हुए भी नजर आई।

बहरहाल, लोकसभा में पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति होने के बावजूद खुद को साहसिक निर्णय लेने वाली पार्टी के रूप में एक बार फिर अपने एक मुख्य एजेंडे एक राष्ट्र, एक चुनाव' को आकार देने के लिये तत्पर हो गयी है। इसके लिए सरकार ने पक्ष-विपक्ष के सभी नेताओं से एक साथ आने का अनुरोध किया था। निस्संदेह, एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिये भाजपा द्वारा नई पहल किए जाने के निहितार्थ राजनीति से ज्यादा राष्ट्रहित में है। निश्चिय ही 'एक देश एक चुनाव' की योजना को लागू करना राजग के लिये बड़ी चुनौती होगी क्योंकि इस बार विपक्ष पहले के मुकाबले मजबूत भी है और एकजुट भी है। इसमें दो राय नहीं कि यह बात तार्किक है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रयास शासन में सुनिश्चितता लाएगा। वहीं बार-बार के चुनाव खर्चीले होते हैं। दूसरे राज्य-दर-राज्य लंबी आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य भी बाधित होते हैं। साथ ही साथ शासन-प्रशासन व सुरक्षा बलों की ऊर्जा के क्षय के अलावा जनशक्ति का अनावश्यक व्यय होता है। विगत लोकसभा चुनावों में कुल सरकारी खर्च 6600 करोड़ रुपये आया था जो भारत जैसे विविधतापूर्ण विशाल देश को देखते हुए भले ही जायज कहा जाये, लेकिन बार-बार होने वाले चुनावों से होने वाले ऐसे भारी-भरकम खर्चे देश की अर्थ-व्यवस्था पर बोझ तो डालते ही है। भारत में भ्रष्टाचार की जड़ भी महंगी होती चुनाव व्यवस्था है क्योंकि जब करोड़ों रुपये खर्च करके कोई विधानसभा या लोकसभा का प्रत्याशी जनप्रतिनिधि बनेगा तो वह विजयी होने के बाद सबसे पहले अपने भारी खर्च की भरपाई करने की कोशिश करेगा। अतः असल में बात सम्पूर्ण चुनावी व्यवस्था के सुधार की होनी चाहिए। मगर इसकी बात करने पर सभी राजनैतिक दलों में एक सन्नाटा पसर जाता है। लेकिन पक्ष एवं विपक्ष को अपने राजनीतिक हितों की बजाय देशहित को सामने रखकर इस मुद्दे पर आम सहमति बनानी चाहिए। पारदर्शी व निष्पक्ष चुनाव के लिये एक साथ चुनावी मशीनरी तथा सुरक्षा बलों की उपलब्धता के यक्ष प्रश्न को भी सामने रखकर इस पर सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए और इसके सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आम सहमति बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित एक उच्च स्तरीय समिति ने इस साल मार्च में पहले कदम के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की। समिति ने राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय राजनीतिक दलों के साथ परामर्श किया और संभावित अनुशंसाओं के साथ आम लोगो एवं न्यायविदों के विचार आमंत्रित किये। समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की भी सिफारिश की। इसके अलावा, विधि आयोग भी 2029 से एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश कर सकता है। असल में बात सम्पूर्ण चुनावी व्यवस्था के सुधार की होनी चाहिए। मगर इसकी बात करते हुए सभी राजनैतिक दलों के सामने निजी हित एवं चुनाव जीतने का गणित सामने आ जाता है। भारत की असली विडम्बना यही है। जब भी सरकारी खर्चे से चुनाव कराने की बात होती है तो इस राह को अव्यावहारिक बता दिया जाता है। जबकि जर्मनी जैसे लोकतन्त्र में यह प्रणाली सफलतापूर्वक काम कर रही है। दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानमंडलों के चुनाव एक साथ प्रत्येक पाँच वर्ष पर आयोजित किये जाते हैं, जबकि नगर निकाय चुनाव प्रत्येक दो वर्ष पर आयोजित किये जाते हैं। स्वीडन में राष्ट्रीय विधानमंडल, प्रांतीय विधानमंडल/काउंटी कौंसिल और स्थानीय निकायों/नगर निकाय सभाओं के चुनाव एक निश्चित तिथि, यानी हर चौथे वर्ष सितंबर के दूसरे रविवार को आयोजित किये जाते हैं। ब्रिटेन में ब्रिटिश संसद और उसके कार्यकाल को स्थिरता एवं पूर्वानुमेयता की भावना प्रदान करने के लिये निश्चित अवधि संसद अधिनियम, 2011 पारित किया गया था। इसमें प्रावधान किया गया कि प्रथम चुनाव % मई 2015 को और उसके बाद हर पाँचवें वर्ष मई माह के पहले गुरुवार को आयोजित किया जाएगा।

जब दुनिया के अनेक देशों में 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की परम्परा सफलतापूर्वक संचालित हो रही है तो भारत में इसे लागू करने में इतने किन्तु-परन्तु क्यों है? देश में इसे लागू करने से सरकार कुछ-कुछ समय बाद चुनावी मोड में रहने के बजाय शासन यानी विकास योजना पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकती है। इससे समय एवं संसाधनों की भी बचत होगी। एक साथ चुनाव कराने से मतदान प्रतिशत भी बढ़ेगा, क्योंकि लोगों के लिए एक साथ कई मत डालना आसान हो जाएगा। इन सब स्थितियों के साथ-साथ एक साथ चुनाव कराये जाने पर क्षेत्रीय पार्टियों को होने वाले नुकसान एवं अन्य स्थितियों पर भी ध्यान देना होगा। क्योंकि एक आदर्श एवं सशक्त लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दलों के लिये समान अवसर उपलब्ध होना भी जरूरी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मोदी के जन्मदिन पर योगी आदित्यनाथ ने काशी विश्वनाथ मंदिर में 74 किलो के लड्डू का प्रसाद बांटा

वाराणसी (उप्र)/भाषा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 74वें जन्मदिन के अवसर पर यहां श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष पूजा एवं हवन किया और 74 किलो के लड्डू का प्रसाद भी बांटा। एक सरकारी बयान के मुताबिक यहां लगातार हो रही तेज बारिश के बीच मुख्यमंत्री ने अपने तय कार्यक्रम को जारी रखते हुए पहले काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव के चौखट पर पहुंच कर मत्था टेका और बाबा की श्रद्धापूर्वक आरती की। इसके बाद वह श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे और धाम में स्थित ज्ञानवापी कूप के पास स्थित निकुंभ विनायक की आरती उतार कर विधि-विधान से पूजन किया। विश्वनाथ धाम में ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवन-पूजन कर नरेन्द्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु होने की कामना की। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छता पखवाड़ा 'स्वच्छता ही सेवा' का आरंभ किया और 'नमो प्लॉगेथॉन' को हरी झंडी दिखाई। मुख्यमंत्री ने इस दौरान स्वच्छता स्वयंसेवकों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के शिल्पकार नरेन्द्र मोदी के 74वें जन्मदिवस पर यह आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने स्वच्छता का संदेश देते हुए लोगों को झोला एवं 'स्वच्छता ही सेवा' टी-शर्ट भी भेंट की। 'नमो प्लॉगेथॉन' के तहत सैकड़ों स्वयंसेवक स्वच्छता की मुहिम चलाएंगे। जोरदार बारिश के बीच ये स्वयंसेवक हाथों में छाता लिए रैली में शामिल हुए और 'भारत मां की जय', वंदे मातरम' के नारे लगाए।

मुख्यमंत्री ने मोदी को उनके 74वें जन्मदिवस पर बधाई दी और उन्हें सच्चे अर्थों में भारत के 'अमृतकाल का सारथी' करार दिया। योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा, ''140 करोड़ देशवासियों के

जीवन को सुखमय बनाने के लिए अविराम साधनारत, विश्व के सबसे लोकप्रिय राजनेता, 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के स्वप्न दृष्टा, हम सभी के मार्गदर्शक, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को जन्मदिन की हृदयतल से बधाई।'' उन्होंने कहा, ''राष्ट्र प्रथम की पावन भावना से ओतप्रोत, अंत्योदय के प्रण और 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य की सिद्धि को समर्पित आपके जीवन का हर क्षण हमारे लिए प्रेरणा है।

आपके अभिभावकत्व में वंचितों को वरीयता प्राप्त हुई है। देश आज दुनिया का विकास इंजन बनने की दिशा में गतिशील है। हमारा लोकतंत्र दिनानुदिन मजबूत हो रहा है। आप सच्चे अर्थों में भारत के 'अमृतकाल के सारथी' हैं।'' उन्होंने लिखा, ''25 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य तथा सुदीर्घ जीवन की प्राप्ति हो और हम सभी को सदैव आपका मार्गदर्शन प्राप्त होता रहे।'' वर्ष 1950 में 17 सितंबर के दिन नरेन्द्र दामोदर दास मोदी का जन्म हुआ था। उन्हें 26 मई 2014 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने देश के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलायी थी।

भारत की वित्तीय संभावनाओं से दुनिया पूरी तरह अवगत नहीं : स्मृति ईरानी

वाशिंगटन/भाषा

पूर्व मंत्री स्मृति ईरानी ने सोमवार को कहा कि भारत द्वारा की गई प्रगति के बारे में वैश्विक स्तर पर जानकारी का अभाव है और उसकी वित्तीय संभावनाओं से दुनिया पूरी तरह अवगत नहीं है। ईरानी ने यहां 'ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन अमेरिका' के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हमारे देश की वित्तीय संभावनाओं से दुनिया पूरी तरह अवगत है।'' ईरानी अमेरिका की अनौपचारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने कितनी प्रगति की है, इस बारे में जानकारी की कमी है। उन्होंने कहा, ''भारत में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए की गई कार्रवाई के बारे में ज्यादा सूचनाएं नहीं हैं। इसी तरह से देश में विशुद्ध विनिर्माण, यहां के कृषि आधारित उद्योग के बारे में यह गलत धारणा है कि हमारी अर्थव्यवस्था केवल बड़े व्यवसायों के लिए खुली है।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''वर्तमान में अगर आप हमारे देश में छोटे कारोबारियों को देखें तो 90 प्रतिशत खुदरा व्यापार तथाकथित असंगठित क्षेत्र में होता है। व्यवसाय के दृष्टिकोण से छोटी दुकानें जिन्हें अक्सर दिल्ली में 'किराना दुकान' या अमेरिका में 'मॉम-एंड-पॉप स्टोर' कहा जाता है, वे 844 अरब अमेरिकी डॉलर का कारोबार कर रही हैं।'' ईरानी ने तीन महीने से भी कम समय में कोविड-19 रोधी टीके की 2.2 अरब खुराक देने की उपलब्धि को भी रेखांकित किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता ने कहा, ''भारत से बाहर के लोग, खासकर पश्चिमी देशों से लोग हैरान थे। उन्हें हैरानी थी कि हमने एक ऐप के जरिए न सिर्फ लोगों को कोविड-19 रोधी टीका दिया बल्कि 6,00,000 गांव के लोग वास्तव में यह जानते थे कि महामारी में उन्हें क्या करना है।'' उन्होंने कहा कि अन्य देश भी इस बात से चकित थे कि भारत केवल तीन महीनों में पीपीई सूट निर्माण में एक प्रमुख शक्ति बन सकता है, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन सकता है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकता है तथा आपूर्ति श्रृंखला में वित्तीय बाधाओं को तोड़ सकता है।

यह सफर आसान नहीं रहा: 'प्रोजेक्ट चीता' के दो साल पूरे होने पर भूपेंद्र यादव ने कहा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को कहा कि 'प्रोजेक्ट चीता' के दो साल चुनौतीपूर्ण रहे हैं, जिसमें चीतों के आवास समायोजन से लेकर शावकों का जीवन बचाने तक कई बाधाओं को सफलतापूर्वक पार किया गया।यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित यह परियोजना वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी प्रयास है, जो लुप्तप्राय वन्यजीवों और पारिस्थितिकी तंत्र को सफलतापूर्वक बहाल किए जाने को लेकर उम्मीदों का संकेत है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''यह रास्ता आसान नहीं था। आवास समायोजन से लेकर जंगल में शावकों के अस्तित्व को सुनिश्चित करने तक कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।''

उन्होंने कहा, ''आज, जब दुनिया इन चीता शावकों को उनके प्राकृतिक आवास में फलते-फूलते देख रही है, तब हम न केवल उनके जीवित रहने की खुशी मना रहे हैं, बल्कि इन बड़े प्रयासों में शामिल सभी लोगों के समर्पण का भी जश्न मना रहे हैं।

'' मंत्री ने कहा कि यह हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बहाल करने की शुरुआत मात्र है तथा आगे और भी कई मील के पत्थर स्थापित करने हैं। चीतों के पहले अंतरमहाद्वीपीय स्थानांतरण के तहत अब तक 20 चीतों को मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया है।

जैकलीन फर्नांडीज ने 'स्टॉर्मराइडर' गाने से गायन में किया पदार्पण

मुंबई/एजेन्सी

अपनी दिलकश अदाओं से दर्शकों को दीवाना बनाने वाली बॉलीवुड की स्टार अभिनेत्री एवं पूर्व मिस श्रीलंका जैकलीन फर्नांडीज अब अपने पार्श्वगायन से श्रोताओं को मदहोश करती नजर आयेंगी। जैकलीन ने सिंगल 'स्टॉर्मराइडर' के साथ पार्श्वगायन की शुरुआत की है। इस गाने को एलए के सहयोग से बनाया गया है।जैकलीन ने इंस्टाग्राम पर प्रशंसकों को गाने का टीज़र दिखाया और पोस्ट को कैप्शन दिया, जिसमें लिखा था, यह तो बस शुरुआत है स्टॉर्मराइडर। जैकलीन ने अपनी टीम द्वारा साझा किए गए एक प्रेस नोट में संगीत की दुनिया में अपनी शुरुआत के पीछे की प्रेरणा को साझा किया, संगीत से भरे घर में पली-बढ़ी हूं, खासकर मेरे पिता के पार्ट-टाइम डीजे होने के कारण मैं छोटी उम्र से ही ध्वनियों के से घिरी हुई थी। हमारा घर विनाइल रिकॉर्ड, सीडी और विभिन्न शैलियों और संस्कृतियों के संगीत से भरा हुआ था। विविध संगीत प्रभावों के इस संपर्क ने संगीत और प्रदर्शन के लिए मेरे जुनून को जगाया है।

जैकलीन ने कहा,मेरे लिए, संगीत कहानी कहने और भावनाओं से जुड़ने का एक जरिया है,यही वजह है कि मैंने अपना संगीत लॉन्च करने का फैसला किया। मैं कुछ ऐसा बनाना चाहती थी जो श्रोताओं के साथ गहराई से जुड़ जाए, ठीक वैसे ही जैसे मैं जुड़ गयी हूँ। संगीत हमेशा से मेरी अभिव्यक्ति का तरीका रहा है और अब मैं अपनी आवाज़ और कहानी को दुनिया के साथ साझा कर सकती हूं। जैकलीन का सिंगल स्टॉर्मराइडर 20 सितंबर को रिलीज़ होने वाला है।

जयपुर में अपनी फिल्म 'युद्धा' का प्रमोशन करने पहुंचे सिद्धांत चतुर्वेदी, मालविका मोहनन, राघव जुयाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एक्सेल एंटरटेनमेंट की आगामी फ़िल्म 'युद्धा' की रिलीज़ की तारीख नज़दीक आ गई है, और दर्शकों का उत्साह अपने चरम पर है। एक्शन से भरपूर इस फिल्म के ट्रेलर ने पहले ही दर्शकों के बीच जिज्ञासा और अपेक्षाएं पैदा कर दी हैं, और इसके गाने भी दर्शकों को बेहद पसंद आ रहे हैं।

फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में सिद्धांत चतुर्वेदी, मालविका मोहनन, और राघव जुयाल जयपुर पहुंचे। इस दौरान, उन्होंने कॉलेज स्टूडेंट्स, मीडिया पर्सनल्स से मुलाकात की और राजस्थानी शाही थाली का स्वाद भी लिया। इस प्रमोशन इवेंट ने फिल्म की रिलीज़ के प्रति दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली 'युद्धा' का निर्देशन रवि उदयवार ने किया है और इसकी कहानी फरहान अख्तर और श्रीधर राघवन ने लिखी है। फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'युद्धा' का किरदार निभाया है, जो बदला लेने का जुनून रखता है। वहीं, मालविका मोहनन ने निखत का किरदार निभाया है, जो कहानी में भावनात्मक गहराई लाती है।

फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। 'युद्धा' में सिद्धांत और मालविका के साथ गजराज राव, राम कपूर, राज अर्जुन और राघव जुयाल जैसे बेहतरीन सपोर्टिंग एक्टर्स भी नजर आएंगे, जो इस एक्शन ड्रामा को और भी आकर्षक बनाते हैं।

फिल्म पोन्नियिन सेलवन: के लिए ऐश्वर्या राय को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार

दुबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेती ऐश्वर्या राय को दक्षिण भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (सिम्मा) 2024 में फिल्म पोन्नियिन सेलवन: खख के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया है। मणिरत्नम निर्देशित फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन: खख' में अपनी शानदार भूमिका के लिए ऐश्वर्या राय को सिम्मा 2024 पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का क्रिटिक्स अवॉर्ड दिया गया।इस फिल्म में ऐश्वर्या राय ने दोहरी भूमिका निभायी थी। इस कार्यक्रम में ऐश्वर्या राय के साथ उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी नजर आईं।

अवार्ड मिलने के बाद ही ऐश्वर्या राय ने एक विनिंग स्पीच भी दी जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। ऐश्वर्या राय ने कहा,मुझे पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए सिम्मा का बहुत-बहुत धन्यवाद। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब थी, पोन्नियिन सेलवन जिसे मेरे गुरु मणिरत्नम ने निर्देशित किया था। पोन्नियिन सेलवन में नंदिनी के रूप में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए मेरे काम को सम्मानित करना वास्तव में पूरी टीम के काम का जश्न मनाना है।

भक्ति राठौड़ का पहला हिंदी नाटक 6 अक्टूबर को होगा प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

प्रसिद्ध अभिनेत्री और नाटककार भक्ति राठौड़ अपना पहला हिंदी नाटक, एक स्टैंडअप कॉमेडी, 06 अक्टूबर को मंच पर लाने के लिए तैयार हैं। अपनी कॉमेडी टाइमिंग के लिए जानी जाने वाली, भक्ति राठौर का स्टैंडअप कॉमेडी नाटक, उनके द्वारा ही लिखा गया है।अपनी शैली के अनुरूप, भक्ति यह सुनिश्चित करती है कि नाटक में कॉमेडी अतार्किक हास्य से दूर रहकर वास्तविकता में निहित हो। भक्ति राठौर ने कहा, यह नाटक पात्रों के बीच बुद्धि की लड़ाई है। मैं अपने पात्रों को वास्तविकता के साथ प्रयासरत रहने में विश्वास करती हूं।

मेरे लिए, मनोरंजन हमेशा महत्वपूर्ण है , मुझे उपदेश देना पसंद नहीं है क्योंकि मेरा मानना ङ्कङ्कहै कि दर्शक नैतिक निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त बुद्धिमान हैं।लेखन मेरे अंदर अभिनय की तरह ही स्वाभाविक रूप से आता है, और यह मेरे लिए खुशी की जगह है।

शुरुआती नाटकों को गुजराती मंच पर अच्छी प्रतिक्रिया मिलने के बाद, मेरी कलम और अधिक खोज करने के लिए आश्वस्त हो गई। यह एक ऐसा जुनून है जो मुझे एक उत्सुक पाठक होने से प्राप्त हुआ है, और मैं अपनी कहानियाँ बताना चाहती हूं।

करीना कपूर फिल्म फेस्टिवल आयोजित किए जाने को लेकर खुश है

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर, करीना कपूर के नाम फिल्म फेस्टिवल आयोजित किये जाने को लेकर बेहद खुश है। करीना कपूर ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत वर्ष 2000 में प्रदर्शित फिल्म रिफ्यूजी से की थी। करीना कपूर को फिल्म इंडस्ट्री में आये हुये करीब 25 वर्ष हो गये हैं और इस दौरान करीना ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। करीना के सम्मान में एक फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। देशभर में करीना कपूर के नाम से फिल्म फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन पीवीआर-आईनॉक्स कर रहा है। करीना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी। वीडियो में पू से लेकर चमेली और गीत समेत बड़े पर्दे पर निभाई जाने वाली करीना के सभी किरदारों की झलक देखी जा सकती है।

वीडियो को शेयर करते हुए करीना कपूर खान ने कैप्शन में लिखा, नर्सों में खून, स्क्रीन पर जादू..., मेरी जॉब जिसे मैं प्यार करती हूं...मेरे अंदर की आग... अगले 25 साल के लिए शुभकामनाएं। यह पहली बार होगा, जब बॉलीवुड की किसी अभिनेत्री के 25 साल पूरे होने पर उसके नाम फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इसके पहले अभिनय सम्राट दिलीप कुमार और महानायक अमिताभ बच्चन को इस तरह का ट्रिब्यूट दिया गया है। वर्ष 2022 में दिलीप कुमार की 100वीं बर्थ एनिवर्सरी पर 'हीरो ऑफ हीरोज' नाम से फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया था। इसके बाद अमिताभ बच्चन के 80वें जन्मदिन पर हेरिटेज फाउंडेशन ने चार दिवसीय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया था।

गणेश उत्सव पर लॉन्च हुआ 'कथावाचक फिल्म्स'

मुंबई/एजेन्सी

गणेश उत्सव के मौके पर निर्माता राज शांडिल्य ने अपने बिजनेस पार्टनर विमल लहोटी के साथ नए प्रोडक्शन हाउस 'कथावाचक फिल्म्स' की शुरुआत की। गणेश उत्सव के मौके पर लालबाग चा राजा मंदिर में गणपति बप्पा का आशीर्वाद लेकर राज शांडिल्य और विमल लहोटी ने 'कथावाचक फिल्म्स' की शुरुआत की। 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' इस बैनर के अंतर्गत रिलीज होने वाली पहली फिल्म है, जो कि 11 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आयेगी।

अपने बैनर कथावाचक फिल्म्स को लॉन्च करते हुए राज शांडिल्य ने कहा कि यह प्रोडक्शन हाउस उनका सपना रहा है। राज ने कहा, 'कथावाचक फिल्म्स को बप्पा के आशीर्वाद के साथ और अपने बेटे के जन्मदिन पर लॉन्च करना काफी सुनहरा रहा। हमारी पहली फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो अनोखी लव स्टोरी है और मैं इंतजार नहीं कर सकता कि ऑडियंस विक्की और विद्या की कहानी के मैजिक को जल्द से जल्द सिल्वर स्क्रीन पर देखे। वहीं, विमल लाहोटी ने कहा कि 'विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो' के जरिये हम उस कास्ट को साथ लेकर आए हैं, जिनका साथ में पहले कभी जादू स्क्रीन पर देखने को नहीं मिला।

इस फिल्म की कास्ट कहानी के जरिये लोगों को काफी हंसाएगी। लालबाग चा राजा में गणपति का आशीर्वाद लेकर हमने ये जर्नी शुरू की है, जो कि एक सक्सेसफुल जर्नी साबित होगी। विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो फिल्म हिंदी सिनेमा में एक नए एरा की शुरुआत होगी।

फिल्म 'पड़ोसन' की री-रिलीज को लेकर बेहद खुश है सायरा बानो

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री सायरा बानो अपनी सुपरहिट फिल्म पड़ोसन की री-रिलीज को लेकर बेहद खुश है। वर्ष 1968 में प्रदर्शित महमूद और एन.सी.सिप्पी निर्मित फिल्म पड़ोसन में सुनील दत्त, सायरा बानो, महमूद और किशोर कुमार ने मुख्य भूमिका निभायी थी। हाल ही में फिल्म पड़ोसन को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। फिल्म की री-रिलीज से सायरा बानो बेहद खुश हैं। सायरा बानो ने सोशल मीडिया पर फिल्म पड़ोसन के पोस्टर्स शेयर करते हुए एक लंबा-चौड़ा नोट शेयर किया है। सायरा बानो ने लिखा, मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि मेरे दिल के बेहद करीब फिल्म पड़ोसन को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। यह फिल्म न केवल मेरे लिए सबसे प्यारी है बल्कि सिनेमाई इतिहास का एक अनमोल हिस्सा है। मुझे लगता है कि नई पीढ़ी को यह जरूर देखना चाहिए। यह दत्त साहब, महमूद भाई, किशोर जी और कई अन्य लोगों द्वारा जीवंत किए गए असाधारण कलाकारों का एक शानदार प्रदर्शन है।जब मैं पड़ोसन के बारे में सोचती हूं तो मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं जिसे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला, खासकर उस समय जब परिस्थितियां एकदम अलग थीं। अपनी शादी के बाद मैंने अपने प्रोफेशनल करियर से एक कदम पीछे खींच लिया था और यह केवल महमूद भाई के लगातार राजी करने और मद्रास में शूटिंग की सुविधा के लिए किए गए इंतजामों की बदौलत ही संभव हो पाया कि मैं इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए राजी हो पाई।

सायरा बानो ने लिखा, फिल्म पड़ोसन के कलाकारों में कभी न भुलाए जाने वाले दत्त साहब (सुनील दत्त) शामिल थे, जिन्होंने अपने सामान्य ग्लैमरस किरदारों से अलग होने पर मजाकिया अंदाज में सवाल उठाए और अद्भुत किशोर जी ने इस अनुभव को वाकई यादगार बना दिया। ऑन-सेट हंसी और सौहार्द इतना जबरदस्त था कि कई बार हमें शूटिंग रोकनी पड़ी क्योंकि मैं अपनी हंसी नहीं रोक पा रही थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 18-09-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब शरीर में कांटा चुभ जाए तो शरीर में वेदना का लावा फूटता है। फिर उस कांटे को निकाल दो तो राहत मिल सकती है, लेकिन कुछ देर तक वेदना तो रहती ही है। कांटा निकालना आसान है लेकिन बोलते समय हमारे शब्द कटु बन गए तो वह लंबे अरसे तक दर्द का कारण बन जाते है। इसलिए ज्ञानी कहते हैं बोलते समय सावधान रहना जरूरी है। हमारे शब्दों के भाव लंबे अरसे तक रहते हैं। अगर ग़लती से बचना है, उसका निराकरण, प्रमार्जन करना है तो सत्य बोलो। गलती करके झूठ बोलना और बड़ी ग़लती हो जाती है। सत्य बोलने से यह विश्वास जम जाता है कि वह व्यक्ति झूठ नहीं बोल सकता।

सामूहिक आराधना से अनंत कर्मों की निर्जरा होती है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में पुच्छिस्सुणं संपुट की सातवीं गाथा का जाप हुआ्। इस गाथा की महिमा बताते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि इस गाथा में यह वर्णन है कि परमात्मा उत्कृष्टतम गुणवत्ता की सूची में आते हैं। उनके अंदर रहे हुए विशेष गुणों से वे उत्कृष्टतम बने। भगवान महावीर उसी धर्म, सिद्धांत की प्रज्ञा की परंपरा को बढ़ाया जो सभी तीर्थंकरों ने बढ़ाया। धर्म का मूल स्वरूप वही, जो सर्वश्रेष्ठ, सर्वोपरि है।

उन्होंने कहा हमारे जीवन में सबसे श्रेष्ठ आत्म तत्व है। आत्मा है, इसलिए सुध-बुध की संवेदना है। आपस में संवाद कर सकते हैं। कबीर कहते हैं हम है तो दुनिया है, नहीं तो दुनिया का कोई मतलब नहीं है। आत्मा शरीर में हैं तो सब कुछ है। यही आत्मतत्व के प्रति आत्मबोध के बारे में तीर्थंकरों ने कहा। उनको देखकर हजारों, लाखों आत्माओं ने जीवन में अपना उद्धार किया। भगवान महावीर के जीवन को जिस किसी ने देखा, उन्होंने आत्मबोध पाया, उनका उद्धार हो गया।

उन्होंने कहा शास्त्रकारों ने कहा कि वे नेता थे। नेता वह, जो उस परंपरा को आगे बढ़ाये। वे अपनी उपस्थिति से सबको आगे ले जाने वाले थे। जब परमात्मा हमारे आगे हैं तो हमें किस बात की चिंता। वे हमारे सुरक्षा कवच के रूप में थे। उनके साथ हजारों संयमी आत्माएं थी्। लाखों श्रद्धालु व्रत धारण किए हुए थे। हमें इस साधना में आगे बढ़ना है। साधना का अर्थ है कैसी भी स्थिति आए, लक्ष्य से विचलित नहीं होना। वैसे ही परमात्मा ने जो साधना में आगे बढ़ना चाहते थे, आगे बढ़ाया। यह आराधना हमारे सबके लिए आनंद मंगल करने वाली हो।

उन्होंने कहा जिस वातावरण में सहज ही जाने का भाव बने, ऐसा वातावरण वह होता है, जहां परमात्मा की भक्ति होती है। वहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो जाता है। परमात्मा की भक्ति संघ एक साथ मिलकर करता हैं तो हमारी सामूहिक कर्मनिर्जरा होती है। हमारी दोनों तरफ से कर्मनिर्जरा होती है। एक तो सावद्य क्रियाओं, अशुभ कर्मों की निर्जरा परमात्मा भक्ति से होती है। दूसरी सामूहिक रूप से परमात्मा भक्ति करने से सामूहिक रूप से बंधे कर्मों की निर्जरा होती है। इस प्रकार परमात्मा की उपासना सब मिलकर कर लेंगे और कर्म निकाचित नहीं है तो कर्मनिर्जरा होती है।

इस स्थिति में हमारे अशुभ कर्मों की स्थिति घट सकती है। एक भी आराधना में सामूहिक रूप से सम्मिलित होते हैं तो अनंत कर्मों की निर्जरा होती है। वह आराधना जीवन में मंगल को प्रदान करने वाली है।

तमिलनाडु अग्रवाल समाज की साधारण सभा में सेलम कमेटी की सहभागिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। रविवार को कोयंबटूर में आयोजित तमिलनाडु अग्रवाल समाज की वार्षिक साधारण सभा में सेलम अग्रवाल सभा ट्रस्ट के सचिव मुरली मनोहर चौधरी, खेलकूद प्रभारी अमित गुप्ता आदि ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। श्री कैलाश मित्तल को आगामी कार्यकाल के लिए सर्वसम्मति से तमिलनाडु अग्रवाल समाज का अध्यक्ष चुना गया।

सम्मेलन में सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की जिसमें तीन प्रमुख थे अग्रवाल समाज के अंतर्गत बीटूबी (व्यापार) का विकास, विवाह संबंध आदि से जुड़ी परेशानियों का हल और क्षेत्रीय सहयोग से सांस्कृतिक तथा खेलकूद गतिविधियों का विकास। सेलम कमेटी की ओर से अमित गुप्ता ने अपने विचार रखे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष का शाल ओढ़ाकर सेलम सभा ने सम्मानित किया।

तमिलनाडु अग्रवाल समाज के नए अध्यक्ष बने कैलाश चंद्र मित्तल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु अग्रवाल समाज की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन हाल ही में कोयंबटूर में किया गया जिसमें सर्वसम्मति से कोयंबटूर प्रवासी कैलाशचंद्र मित्तल को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए तमिलनाडु अग्रवाल समाज का नया अध्यक्ष चुना गया। समाज के पूर्व अध्यक्ष मुरारीलाल सौंथलिया के अध्यक्षता में साधारण सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कमलेश कुमार सिंघल को उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल को सचिव आदित्य विक्रम भाचुका को कोषाध्यक्ष ताराचंद काला उपसचिव तथा गौरव मस्करा को प्रचार प्रसार मंत्री के पद पर निर्विरोध चुना गया।

चन्द्रप्रभु कॉलेज में यूरोपीय गतिशीलता सप्ताह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मिंजूर के चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज में एनवायरो क्लब और प्लांट बायोलॉजी और प्लांट बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने एलएंडटी एनर्जी और एसएआईपीईएम प्राइवेट लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है।

लिमिटेड सार्वजनिक स्थानों को साझा करना की थीम पर स्थिरता अभियान यूरोपीय गतिशीलता सप्ताह-2024 मनाता है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना गीत और कुथुविलक्कू की रोशनी से की गई। एनवायरो क्लब समन्वयक डॉ. बी. भरत ने सभा का स्वागत किया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. एन. सुजाता ने विशिष्ट अतिथियों का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री लोरेंजो एम्ब्रोसियो- यार्ड मैनेजर, इटली द्वारा किया गया। इसके बाद एचएसई ट्रेनर और संस्कृति विशेषज्ञ कार्थी नरसिमलु द्वारा अभियान प्रस्तुति दी गई।

अभियान समापन भाषण जॉर्जिया के यार्ड एचएसई प्रबंधक अलेक्जेंडर गोगेशविल्ली द्वारा दिया गया था। कार्यक्रम के अंत में सेरन सेनगुट्टावन डीजीएम, एलएंडटी एनर्जी; दिनेश शनमुगम एचआर उप प्रबंधक; शक्तिवेल नटराजन, एचएसई ट्रेनर; सुंदरा मूर्ति, प्रबंधक; वेंगेटसन जी, मैनेजर एडमिन; एंटनी राजेश, एजीएम-एचएसई; ने अतिथि लोरेंजो एम्ब्रोसियो और अलेक्जेंडर गोगेशविली के साथ सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण-अनुकूल बीज कलम वितरित किए। अंत में, धन्यवाद ज्ञापन यार्ड क्यूसी प्रबंधक एलुमलाई सुंदरम द्वारा दिया गया।

'एक पेड़ मां के नाम'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74वें जन्मदिन के अवसर पर 'मां के नाम एक पेड़ मुहिम के तहत सबकी मां के नाम पर न्यू हाउसिंग यूनिट, सिधापुदुर में एक पौधारोपण समारोह आयोजित किया गया। जनता और बच्चों के लाभ के लिए पार्क के चारों ओर पौधे लगाए गए। इस अवसर पर राज्य पर्यवेक्षी समिति के अध्यक्ष एच राजा, विधायक वनाती श्रीनिवासन, राज्य उपाध्यक्ष प्रोफेसर कनागा सबापति, राज्य कोषाध्यक्ष श्री श्रीसेकर , और कोयंबटूर जिला अध्यक्ष श्री जे रमेशकुमार भाजपा उपस्थित थे।

रक्तदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर। मंगलवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 74 जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर लगाया उसमें भाजपा कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा के राज्य समन्वय समिति के एच. राजा, कोयम्बटूर दक्षिण से विधायिका व भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानती श्रीनिवासन राज्य के भाजपा कोषाध्यक्ष एस आर शेखर, जिला भाजपा के अध्यक्ष रमेश,सचिव कनमणि बाबू, उपाध्यक्ष नागराज, जिले की भाजपा मीडिया प्रभारी सौम्या रानी उमा श्रीनिवासन मंडल के अध्यक्ष सुरेश बाबू शिवकुमार शेखर अन्य भाषा प्रकोष्ठ के सचिव राजेश कुमार, संजय पाटिल, तेप्पकुलम मंडल के महामंत्री हितेश बीजेपी सहित अनेक जन उपस्थित थे।

भजनों व सामायिक जप के माध्यम से आचार्य भिक्षु को किया गया याद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ भवन राजाजीनगर में तेरापंथ सभा ट्रस्ट द्वारा तेरापंथ के आद्यप्रवर्तक महामना आचार्यश्री भिक्षु के 222 वें महाप्रयाण दिवस भिक्षु चरमोत्सव का आयोजन किया गया । तेयुप राजाजीनगर द्वारा संचालित भिक्षु श्रद्धा स्वर के संजय मांडोत, अनिमेष चौधरी, निधि चावत, सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी ने भजनों की मधुर प्रस्तुति दी। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने भिक्षु स्वामी के प्रति भावांजलि व्यक्त करते हुए सभी का स्वागत किया और तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, मंत्री चंद्रेश मांडोत द्वारा गायक संजय मांडोत, निधि चावत का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभा परिवार, तेयुप प्रबंध मंडल, कार्यकारिणी सदस्य, किशोर मंडल, महिला मंडल व कन्या मंडल, एवं श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही। आभार तेयुप मंत्री जयंतीलाल गांधी ने दिया। एक अन्य कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के गौरवशाली 60 साल की पूर्णाहुति पर अभातेयुप द्वारा निर्देशित आयाम अभ्यर्थना एक क्रांति की जिसके अंतर्गत तेयुप द्वारा तप एवं जप सहित 24 घण्टे का अखण्ड जप का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। सभा परिवार, महिला मण्डल परिवार, कन्या मंडल की सदस्याओं ने जाप में विशेष सहयोग मिला। अखण्ड जाप में कुल 81 सदस्यों की रही उपस्थिति जिसमें 63 सदस्य युवक परिषद एवं किशोर मंडल से उपवास एवं एकासन का प्रत्याख्यान कर जप सहित सामायिक में भाग लिया।

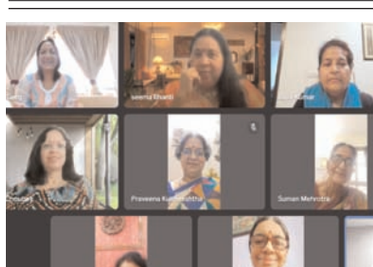

भाषा साहित्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय भाषा साहित्य मंच की सितंबर माह की हिंदी दिवस आधारित ऑनलाइन गोष्ठी सम्पन्न हुई। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ वत्सला किरण ने की । संस्थापिका अध्यक्ष डॉ.उषा श्रीवास्तव ने अधिक से अधिक लोगों को हिंदी से जोड़ने तथा हिंदी सिखने एवं बोलने वालों का उत्साहवर्धन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोष्ठी में शोभा पाठक, शांति मोहनन, शालिनी गर्ग, डॉ वत्सला किरण, डॉ उषा श्रीवास्तव,डॉ सुमन मेहरोत्रा, सरिता श्रीवास्तव, डॉ. सीमा भाँति, प्रवीणा कुलश्रेष्ठ, सुदेश वत्स, गीता चौबे गूँज, भगवती सक्सेना एवं भूमिका श्रीवास्तव आदि ने अपनी प्रस्तुति दी। सरिता श्रीवास्तव ने संचालन किया तथा डॉ वत्सला किरण ने धन्यवाद दिया।

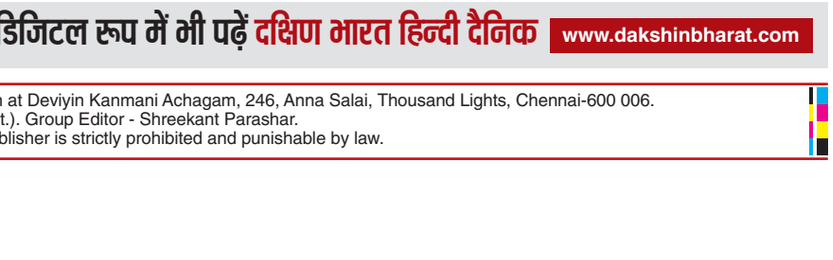

गांधीनगर तेरापंथ भवन में भिक्षु चरमोत्सव पर गूंजे श्रद्धा के गीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में 222वां भिक्षु चरमोत्सव का आयोजन किया। इस मौके पर साध्वी उदितयशा जी ने भिक्षु को मानने वाले भक्तों से आगाज किया कि हम केवल भिक्षु के गुणगान ही नहीं करें उनके सिद्धांतों व दर्शन को जानने का व जीवन में उतारने का प्रयत्न करेंगे तभी भिक्षु हमारे से प्रसन्न होंगे। जो भिक्षु को पसंद नहीं था वह कार्य हम नहीं करें। उन्होंने सत्य की राह पर चलकर कष्टों का सामना किया,जो कठिनाइयां झेली उसके अनुयाई उनके बलिदान की महत्ता को समझे। साध्वी संगीतप्रभाजी ने कहा कि भिक्षु की परंपरा को सुरक्षित रखना हमारा दायित्व है। हम प्रलोभनों व आडंबरों द्वारा भिक्षु को नहीं प्राप्त कर सकते। हम कहीं भी जाए कुछ भी करें हमारे संघ की परंपरा को नहीं भूलना चाहिए। साध्वी भव्ययशाजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु की पसंद हमारी पसंद बने। उन्होंने कहा कि परस्पर प्रीति रखे, सौहार्द भाव द्वारा हम आपसी संबंधों को मजबूत बनाएं, यही आचार्य भिक्षु की शिक्षा है। साध्वी भव्ययशाजी एवं शिक्षाप्रभा जी ने मधुर गीत का संगान किया । सायंकालीन भिक्षु संगीत संध्या पर सभा तथा युवक परिषद द्वारा धम्म जागरण का आयोजन किया गया जिसमें अनेकों कलाकारों ने अपनी श्रद्धामय प्रस्तुति दी । इस अवसर पर 180 श्रद्धालुओं ने अखण्ड जाप का आयोजन भी किया गया मंत्री विनोद छाजेड़ ने आचार्य भिक्षु के प्रति अपनी भावना व्यक्त की। धम्मजागरण का संचालन प्रतीक जोगड़ ने किया, जिसमें तेयुप भजन मण्डली, प्रज्ञा संगीत सुधा, महिला मण्डल की श्रद्धा संगीत के सदस्यों सहित अन्य गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, ललित मांडोत, प्रकाश कटारिया, राजेंद्र बाफना, बहादुर सेठिया, रमेश कोठारी, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, राकेश चोरडिया, रोहित कोठारी आदि उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.